WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

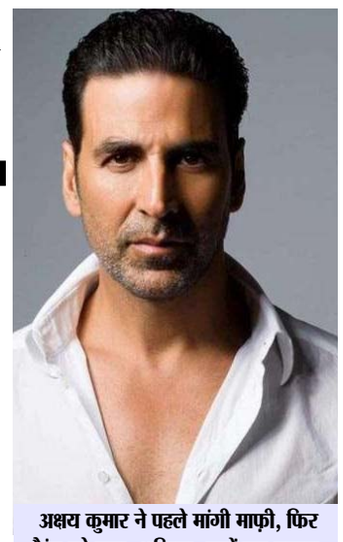

अक्षय कुमार ने पहले मांगी माफी, फिर फैंस को कहा- शुक्रिया, जानें पूरा माजरा

वर्षः 01 अंक : 266 | लखनऊ, मंगलवार, 15 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

जवानों तक संदेश पहुंचे कि संसद और देश उनके साथ खड़े हैंः मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। चीन के साथ सीमा पर तनाव के मद्देनजर प्रतिकूल परिस्थितियों में सरहद पर तैनात जवानों की हौसलाअफजायी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद सदस्यों का आह्वान किया कि वे एक संकल्प के साथ सैनिकों को संदेश दें कि सांसद, संसद और देश उनके साथ खड़ा है। संसद का मानसूत्र सत्र शुरू होने से पहले श्री मोदी ने यहां संसद भवन परिसर में कहा कि एक विशिष्ट वातावरण में संसद का सत्र आज प्रारंभ हो रहा है। कोरोना भी है, कर्तव्य भी है और सभी सांसदों ने कर्तव्य का रास्ता चुना है। मैं सभी सांसदों को इस पहल के लिए बधाई देता हूं, अभिनंदन करता हूं और धन्यवाद भी करता हूं। चीन के साथ गतिरोध के चलते सीमा पर डटे जवानों की सराहना करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उन्हें एकजुटता का संदेश देना समय की जरूरत है। संसद को जवानों को बताना चाहिए कि देश और संसद उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस सदन की विशेष जिम्मेदारी है और विशेष करके इस सत्र की विशेष जिम्मेदारी है, आज जब हमारी सेना के वीर जवान सीमा पर डटे हुए हैं, बड़ी हिम्मत के साथ, जज्बे के साथ, बुलंद हौसलों के साथ दुर्गम पहाड़ियों में डटे हुए हैं, और कुछ समय के बाद वर्षा भी शुरू होगी। जिस विश्वास के साथ वो खड़े हैं, मातृभूमि की रक्षा के लिए डटे हुए हैं, ये सदन भी, सदन के सभी सदस्य एक स्वर से, एक भाव से, एक भावना से, एक संकल्प से संदेश देंगे- सेना के जवानों के पीछे देश खड़ा है, संसद और सांसद सदस्यों के माध्यम से खड़ा है। पूरा सदन एक स्वर से देश के वीर जवानों के पीछे खड़ा है; ये बहुत ही मजबूत संदेश भी ये सदन देगा, सभी माननीय सदस्य देंगे। ऐसा मेरा पूरा विश्वास है। श्री मोदी ने कहा कि कोरोना से बनी जो परिस्थिति है उसमें जिन सतर्कताओं के विषय में सूचित किया गया है, उन सतर्कताओं का पालन हम सबको करना ही करना है और यह भी साफ है जब तक दवाई नहीं तब तक कोई ढिलाई नहीं। हम चाहते हैं कि बहुत ही जल्द से जल्द दुनिया के किसी भी कोने से वैक्सीन उपलब्ध हो, हमारे वैज्ञानिक जल्द से जल्द सफल हों और दुनिया में हर किसी को इस संकट में से बाहर निकालने में हम कामयाब हों। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण बजट सत्र समय से पहले ही रोकना पड़ा था। इस बार भी दिन में दो बार, एक बार राज्यसभा एक बार लोकसभा, समय भी बदलना पड़ा है। शनिवार और रविवार को कार्यवाही चलेगी। सभी सदस्यों ने इस बात को भी स्वीकार किया है, स्वागत किया है और कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। श्री मोदी ने कहा कि इस सत्र में कई महत्वपूर्ण निर्णय होंगे, अनेक विषयों पर चर्चा होगी और हम सबका अनुभव है कि लोकसभा में जितनी ज्यादा चर्चा होती है जितनी गहन चर्चा होती है, जितनी विविधताओं से भरी चर्चा होती है उतना सदन को भी, विषय-वस्तु को भी और देश को भी बहुत लाभ होता है।

पन्द्रह सदस्यों ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने 15 नवनिर्वाचित सदस्यों को आज सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी। कोविड महामारी के मद्देनजर विशेष परिस्थितियों में विशेष सुरक्षा तथा एहतियाती उपायों के साथ शुरू हुए मानसून सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही श्री नायडू ने नये सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी। शपथ लेने वाले सदस्यों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम के तिरूचि शिवा और तेलंगाना राष्ट्र समिति के के केशव राव फिर से चुने गये हैं। इन दोनों का कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ था। ये दोनों क्रमश तमिलनाडु और तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हरिवंश राज्यसभा के उप सभापति निर्वाचित

जनता दल यूनाइटेड (जद यू) के नेता हरिवंश को आज सर्वसम्मित से राज्यसभा का उप सभापति निर्वाचित घोषित किया गया। श्री हरिवंश दोबारा सदन के उप सभापति चुने गये है। उनका कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ था और वह दोबारा उच्च सदन के लिए चुने गये थे। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सदन को बताया कि उप सभापति के चुनाव के लिए उन्हें दो उम्मीदवारों के पक्ष में प्रस्ताव मिले हैं। जद यू के हरिवंश को उप सभापति निर्वाचित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के जगत प्रकाश नड्डा ने प्रस्ताव पेश किया है और सदन के नेता थावरचंद गेहलोत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा को उप सभापति निर्वाचित करने का प्रस्ताव किया है। कांग्रेस के आनंद शर्मा ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। द्रमुक के तिरूचि शिवा और समाजवादी पार्टी के जावेद अली ने भी श्री झा के समर्थन में प्रस्ताव किया। श्री नायडू ने कहा कि वह पहले श्री हरिवंश से संबंधित प्रस्ताव को सदन के सामने रखते हैं। इस प्रस्ताव को बहुमत से समर्थन मिलने की घोषणा करते हुए श्री नायडू ने उन्हें निर्वाचित घोषित किया। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता श्री हरिवंश को उनके स्थान तक ले गये। सदन में मौजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, श्री नायडू, श्री आजाद, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और सपा के रामगोपाल यादव ने श्री हरिवंश को बधाई देते हुए सदन में उनके योगदान का उल्लेख किया।

2.36 लाख करोड़ रुपये की पूरक अनुदान मांगें लोकसभा में पेश

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आज लोकसभा में चालू वित्त वर्ष के लिए 235852.87 करोड़ रुपये की अनुदानों की पूरक मांगे पेश की जिसमें कोरोना महामारी से लड़ने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 5915.49 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के लिए 2475 करोड़ रुपये और इस महामारी से लड़ने के लिए रेल मंत्रालय के लिए 620 करोड़ और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के लिए 350 करोड़ रुपये की अनुदान मांगें भी शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज से शुरू हुये मानसून सत्र के पहले दिन अनुदानों की पहली पूरक मांग को संसद में पेश किया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से कुल 235852.87 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय को अधिकृत करने के लिए संसद का अनुमोदन मांग जा रहा है। इसमें से शुद्ध नकद व्यय 166983.91 करोड़ रुपये है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए कोविड 19 महामारी से निपटने की तैयारियों के वास्ते 5915.49 करोड़ रुपये की सामान्य सहायता अनुदान , कोविड 19 महामारी की रोकथाम के लिए अतिरिक्त व्यय को पूरा करने के लिए 936.53 करोड़ रुपये की सामान्य अनुदान मांग इसमें शामिल है। रेल मंत्रालय कोविड 19 महामारी के लिए अपातकालीन प्रतिक्रिया एवं स्वास्थ्य तंत्र तैयारी पैकेज इत्यादि के व्यय के लिए 520 करोड़ रुपये की मांग की गयी है। इसके साथ की रेलवे द्वारा कोविड आइसोलेशन वार्ड बनाने के उद्देश्य से चिकित्सा उपकरणें आदि की खरीद को पूरा करने के लिए 100 करोड़ रुपये की मांग की गयी है।

धर्म बना उमर खालिद की गिरफ्तारी का कारण

नयी दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने आज दिल्ली दंगा मामले में उमर खालिद की गिरफ्तारी पर ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने ट्ग्वीट किया कि भारत में अपराध नहीं बल्कि उसका धर्म निर्धारित करता है कि किसे जेल में होना चाहिए और किसे बाहर. यह महज संयोग नहीं है कि उमर और सफूरा कैद में हैं और कपिल और कोमल बाहर हैं. महबूबा मुफ्ती का ट्ग्वटर एकाउंट अभी उनकी बेटी इल्तिजा चलाती हैं. गौरतलब है कि इस साल फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे में कथित भूमिका के आरोप में पुलिस ने रविवार देर रात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को गिरफ्तार कर लिया है. उमर के खिलाफगैर कानूनी गतिविधि (निषेध) कानून (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया था. रविवार को पुलिस ने खालिद से पूछताछ की और उसके बाद देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली दंगा के सिलसिले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दो सितंबर को कुछ घंटे तक उमर से पूछताछ की थी।

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को सक्रियता से संचालित किया जाएःयोगी

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत खाद के लिए गड्ढे खोदकर कम्पोस्ट तैयार करने के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। इस कार्यवाही को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए उन्होंने आवश्यकतानुसार सर्विलॉन्स टीम्स की संख्या में वृद्धि के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने ड्रग कंट्रोलर को निर्देशित करते हुए कहा कि वे सुनिश्चित करें कि कोविड-19 के दृष्टिगत अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों में सभी आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। इन औषधियों के बैकअप की व्यवस्था भी की जाए। कहीं भी दवाओं की जमाखोरी न होने पाए। यदि ऐसा हो तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्थापित ऑक्सीजन प्लाण्ट्स प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में निर्धारित दर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति करें। ऑक्सीजन की दर वही रहनी चाहिए, जो कोविड-19 के पहले थी। उन्होंने ऑक्सीजन की कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन की कमी न होने पाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, गोरखपुर, वाराणसी तथा मेरठ में सभी मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल पूरी गुणवत्ता एवं क्षमता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि ड्रग कंट्रोलर इन जनपदों में दवाई तथा ऑक्सीजन की सुचारु व्यवस्था बनाये रखें। ड्रग कंट्रोलर द्वारा प्रदेश में दवाओं एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता व आपूर्ति के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रतिदिन आख्या उपलब्ध करायी जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड अस्पतालों में चिकित्सकों एवं पैरामेडिक्स की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधीन कोविड चिकित्सालयों में बेड्स की संख्या में वृद्धि की जाए। के0जी0एम0यू0, एस0जी 0पी0जी0आई0 तथा आर0एम0एल 0आई0एम0एस0 द्वारा 1,000 आई0सी0यू0 बेड्स की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 से बचाव व सुरक्षा के सम्बन्ध में लगातार जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी स्थानीय निकायों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित करते हुए इसके माध्यम से लोगों को कोविड-19 के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पैकेज का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाए, ताकि प्रदेश को इस पैकेज का पूरा लाभ मिल सके।

प्रशांत भूषण ने अवमानना मामले में दाखिल की पुनर्विचार याचिका

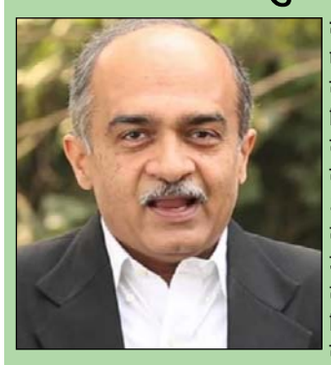

नयी दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने उच्चतम न्यायालय की अवमानना मामले में अपने विरुद्ध लगाये गये एक रुपये के जुर्माने संबंधी फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए सोमवार को शीर्ष अदालत से गुहार लगायी। श्री भूषण ने अपनी पुनर्विचार याचिका में उच्चतम न्यायालय से इस मामले में तत्काल खुली अदालत में सुनवाई किये जाने भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि स्वत- संज्ञान में लिये गये इस मामले की सुनवाई तत्कालीन न्यायाधीश अरुण मिश्रा को सुनवाई नहीं करनी चाहिए थी। न्यायमूर्ति मिश्रा अब सेवानिवृत्त हो गये हैं। श्री भूषण ने उच्चतम न्यायालय की ओर से स्वत- संज्ञान के तहत लिये गये एक अवमानना मामले में अपने विरुद्ध लगाया गया एक रुपये का जुर्माना आज पूर्वाह्न भर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया वह उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वीकार करते हुए जुर्माने का भुगतान कर रहे हैं। गौरतलब है कि न्यायपालिका के विरुद्ध उनके ट्वीट का संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने अवमानना मामले में उन्हें दोषी ठहराया था और उन पर एक रुपये का जुर्माना लगाया था। श्री भूषण ने हालांकि यह कहा था कि उनका न्यायपालिका की अवमानना करने का इरादा कभी नहीं रहा। वह हमेशा न्यायपालिका का सम्मान करते रहे हैं और चाहते हैं कि चीजें व्यवस्थित तरीके से चलती रहें।

अमित शाह ने हिंदी के आधिकाधिक प्रयोग का किया आह्वान

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को हिंदी दिवस पर इसके सशक्तिकरण में योगदान देने वाले सभी महानुभावों को नमन करते हुए देशवासियों से अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आह्वान किया है। संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को अंग्रेजी के साथ देश की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकृति दी थी। इसके उपरांत देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने इस ऐतिहासिक दिन के महत्ता को ध्यान में रखकर प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया। पहला आधिकारिक हिन्दी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया था। श्री शाह ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कई ट्वीट करते हुए लिखा, हिंदी भारतीय संस्कृति का अटूट अंग है।

दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे की झुग्गियां फिलहाल नहीं हटेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे की 48 हजार झुग्गियों को फिलहाल नहीं हटाया जायेगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे बसी 48 हजार झुग्गियों को अभी नहीं हटाया जा रहा है। श्री मेहता ने न्यायालय से कहा कि इस मामले में रेलवे, शहरी विकास विभाग और दिल्ली सरकार के एक साथ मिलकर चार सप्ताह में कोई उपाय निकाल लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि तब तक झुग्गियों को हटाया नहीं जायेगा।

गौरतलब है कि दिल्ली में करीब 140 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन है, जिसके किनारे लोगों ने अपने घर बना रखे हैं। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में अवैध रूप से बनायी गयीं करीब 48 हजार झुग्गियों को हटाये जाने का आदेश दिया था। सॉलिसिटर जनरल ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक सरकार इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं ले लेती तब इन झुग्गियों को नहीं हटाया जायेगा। उच्चतम नयायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) अरुण मिश्रा ने रेलवे लाइन के किनारे बनी इन अवैध झुग्गियों को हटाने का आदेश दिया था।

भाषाई विविधता हमारी सांस्कृतिक धरोहरः वेंकैया नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की भाषाई विविधता पर गर्व करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और उनका समृद्ध साहित्यिक इतिहास रहा है। श्री नायडू ने सोमवार को अपने निवास से मधुबन एजुकेशनल बुक्स के समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 1949 में हमारी संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस संदर्भ में उपराष्ट्रपति ने 1946 में 'हरिजन' में गांधीजी के लेख को उद्धृत करते हुए कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं की नींव पर ही राष्ट्रभाषा की भव्य इमारत खड़ी होगी। राष्ट्रभाषा और क्षेत्रीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक है विरोधी नहीं। श्री नायडू ने कहा कि महात्मा गांधी और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का मार्ग ही हमारी भाषाई एकता को सुदृढ़ कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी हर भाषा वंदनीय है। कोई भी भाषा हमारे संस्कारों की तरह शुद्ध और हमारी आस्थाओं की तरह पवित्र होती है।

विकास दुबे केस

ईडी ने जय समेत 36 आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया केस

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर के चर्चित विकास दुबे केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को लखनऊ में जय बाजपेयी समेत 36 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि ईडी की टीम घटना के तत्काल बाद सक्रिय हो गई थी। टीम ने आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा पहले ही जुटा लिया था। पुलिस और आयकर विभाग की जांच के आधार पर कई दस्तावेज ईडी के हाथ लगे हैं। इससे पहले खुद प्रदेश सरकार ने आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय से विकास दुबे के प्रमुख सहयोगी और कानपुर कांड के अभियुक्त जयकांत बाजपेई द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई सम्पत्तियों की जांच कराने का अनुरोध किया था। एसएसपी कानपुर नगर ने शासन को भेजी गई अपनी रिपोर्ट में कहा था कि चौबेपुर थाने में आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307, 302, 395, 412 व 120 बी तथा 7 सीएलए के तहत दर्ज मुकदमे के अभियुक्त जयकांत बाजपेई द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई सम्पत्तियों का प्रकरण प्रथमदृष्ट्या सत्य प्रतीत रहा है। एसएसपी ने ही शासन से मामले की जांच आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय एजेंसियों से कराने का अनुरोध किया था। इसी रिपोर्ट के आधार पर गृह विभाग ने आयकर विभाग लखनऊ के मुख्य आयकर आयुक्त तथा प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ के संयुक्त निदेशक से अभियुक्त जयकांत बाजपेई की सम्पत्तियों की विस्तृत जांच कराने को कहा था।

जम्मू के नेताओं को हिजबुल की धमकी-राजनीति छोड़ो या नतीजा भुगतो

जम्मू, एजेंसी। आतंकवादी संगठनों ने कश्मीर घाटी के बाद अब जम्मू संभाग के नेताओं को भी निशाना बनाकर उन्हें राजनीति से तौबा करने के लिए धमकाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित सैयद सलाहुदीन के नेतृत्व वाले आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन ने पत्र भेजकर केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह समेत जम्मू के 17 नेताओं को राजनीति छोडने अथवा परिणाम भुगतने की धमकी दी है। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रमन भल्ला के नाम उर्दू में लिखा यह धमकीभरा पत्र कांग्रेस मुख्यालय में पहुंचा। डाक से जम्मू स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे हिजबुल मुजाहिदीन के लैटरपैड पर लिखे दो पन्ने के इस पत्र में जम्मू-कश्मीर कांग्रेस उपाध्यक्ष रमन भल्ला समेत मुख्यधारा की पार्टियों के 17 नेताओं के नाम हैं।

कोरोना संक्रमण के आंकड़े 48.46 लाख से अधिक

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 92 हजार से ज्यादा नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा 48.46 लाख से अधिक हो गया हालांकि 77 हजार से अधिक लोग इस बीमारी से मुक्त भी हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान 92,071 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 48,46,427 पर पहुंच गया जबकि कोरोना संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 77,511 बढ़कर 37,80,107 हो गयी। इसी अवधि में 1136 मरीजों की मौत हो गयी । देश में अब तक 79,722 कोरोना संक्रमित अपनी जान गंवा चुके हैं।

स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 13,423 बढ़कर 9,86,598 हो गये हैं। देश के केवल 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ में 1741 और उसके बाद तेलंगाना में 1075 मरीज कम हुए हैं। देश में सक्रिय मामले 20.36 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 78.00 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.64 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 10,578 बढ़कर 2,90,716 हो गयी तथा 416 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 29,531 हो गया। इस दौरान 11,549 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 7,40,061 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 661 कम होने से सक्रिय मामले 95,072 रह गये। राज्य में अब तक 4912 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 4,67,139 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1388 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 99,222 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7265 पर पहुंच गया है तथा अब तक 3,52,958 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 167 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 68,122 हो गये हैं तथा इस महामारी से 4429 लोगों की मौत हुई है जबकि 2,39,485 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 47012 हो गयी है तथा 8381 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 4,47,366 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 30,532 सक्रिय मामले हैं और 974 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,27,007 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। ओडिशा में सक्रिय मामले 31,539 हो गये हैं और 626 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 1,18,642 हो गयी है।

विभिन्न मुद्दों पर सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार को घेरा

जोरदार प्रदर्शन कर की नारेबाजी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के यूथ विंग कार्यकर्ताओं ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था, गन्ना किसानों का भुगतान करने, किसानों की आय दो गुनी करने, किसानों का कर्ज माफ करने, शिक्षा का बाजारीकरण रोकने, छात्रों की फीस माफ करने सहित तमाम मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यलय पर जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेजबाजी की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रदर्शनकारी सपा कार्यकर्ता डीएम को ज्ञापन देने जा रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान उनकी पुलिस से कहासुनी हुई। प्रदर्शन के चलते परिवर्तन चौक और कैसरबाग के आस-पास का इलाका जाम के झाम में जकड़ गया। पुलिस ने परिवर्तन चौक से चारबाग जाने वाले मार्ग को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इससे वाहन चालक चौराहे के चक्कर काटते

नजर आए। वाहन चालक घंटों जाम में फंस कर परेशान हुए। लखनऊ में सपा कार्यालय बारादरी से कैसरबाग कलेक्ट्रेट ऑफिस तक कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वहीं सपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ पीएसी भी कार्यालय के बाहर तैनात की गई थी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भाजपा सरकार में अपराध की बढ़ोतरी हुई है। लाखों युवा बेरोजगार हो गए हैं। महिला सुरक्षा के दावे करने वाली सरकार महिलाओं के सुरक्षा को लेकर खिलवाड़ करती नजर आ रही है। इसको लेकर लोगों में आक्रोश है। सपा के नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। इस सरकार में चारों तरफ जंगलराज है। सरकार खुद ही पुलिस से फर्जी एनकाउंटर करवा रही है। सरकार में महिलाओं के साथ छेड़खानी व दुष्कर्म के साथ हत्याओं की घटनाएं बढ़ गई हैं। भाजपा सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह फेल होती दिख रही है। उन्होंने कहा इस सरकार में नौजवान और मजदूर बेरोजगारी के शिकार हो रहे हैं। अनेक उद्योगों में छटनी के निरंतर बेकारी की समस्या और उग्र होती जा रही है।

पार्टी मांग करती है कि बेरोजगारी की बढ़ती समस्या के समाधान के प्रति सरकार को गंभीर नीति निर्धारित करनी होगी। समाजवादी पार्टी का डेलिगेशन प्रतापगढ़ जा रहा था। जिसको 1090 चौराहे पर रोके जाने के बाद बछरावां मे पुलिस ने सपा प्रदेश अध्यक्ष समेत पूरे डेलिगेशन को रोका। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, एमएलसी सुनील साजन, उदयवीर सिंह को पुलिस ने रोका। बता दें कि प्रतापगढ़ की घटना पर समाजवादी पार्टी का डेलिगेशन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर जा रहा था। इस दौरान पुलिस और समाजवादी पार्टी के डेलिगेशन के बीच नोकझोंक भी हुई।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह कोरोना पॉजिटिव, पीजीआई में कराया गया भर्ती

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें पीजीआई लखनऊ में भर्ती करवाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनका नमूना लिया था। बता दें कि रविवार तक यूपी में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 312414 हो चुकी है। इनमें से 239485 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। एक्टिव मरीजों की संख्या प्रदेश में 68122 है। जबकि 4429 मरीजों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में 75 लाख टेस्ट का आंकड़ा पार कर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को लखनऊ में 847, कानपुर में 338, प्रयागराज 370, गोरखपुर 234, गाजियाबाद 267, वाराणसी 224, नोएडा 186, बरेली 158, मुरादाबाद 85, मेरठ 233, अलीगढ़ 168, सहारनपुर 114, झांसी 116, देवरिया 102, बाराबंकी 78, बलिया 78, अयोध्या 60, शाहजहांपुर 97, जौनपुर 60 समेत कुल 6239 मरीज मिले हैं।

प्रदेश में अगले 5 दिन तक झमाझम बारिश के असार

लखनऊ, संवाददाता। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत अन्य इलाकों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। अगले 24 घंटे में मानसूनी हवा चलेगी जिससे भारी बरसात हो सकती है। आमतौर पर मानसून 10 सितम्बर के आसपास विदा हो जाता है, लेकिन इस बार बंगाल की खाड़ी में कम दवाब का क्षेत्र विकसित हुआ है जिससे अगले पांच दिन तक भारी वर्षा हो सकती है। कानपुर के चन्द्रशेखर आजाद कृषि एव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के के मौसम वैज्ञानिक एस एन पांडेय ने कहा कि देश भर में बने मानसूनी सिस्टम में बंगाल की खाड़ी में निम्न दवाब का क्षेत्र विकसित होने से चक्रवाती हवाओं का दवाब बना हुआ है जो अगले 24 घंटे में और प्रभावी हो सकता है।

अधिनायकवाद के विरुद्ध होगा लोकतांत्रिक आंदोलनः आइपीएफ

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली दंगों की चार्जशीट में सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, स्वराज इंडिया अध्यक्ष योगेन्द्र यादव, अपूर्वानंद, राहुल राय और जयति घोष समेत तमाम बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अभियुक्त न होते हुए भी नाम डालना सामान्य राजनीतिक लोकतांत्रिक गतिविधियों का अपराधीकरण करना है. आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की राष्ट्रीय कार्यसमिति अपने राजनीतिक प्रस्ताव में इसकी निंदा करती है. आइपीएफयह भी प्रस्ताव लेता है कि केवल सीएएएनआरसी विरोधी प्रदर्शनों में भाग लेने तथा दिल्ली दंगों के षड्यंत्र में शामिल रहने का कोई भी सुबूत न होने पर भी उमर खालिद की गिरफ्तारी तथा उस पर यूएपीए लगाने की दिल्ली पुलिस की कार्रवाही अन्यायपूर्ण और उत्पीड़नात्मक है. आरएसएस और भाजपा की मोदी सरकार को इस तरह की राजनीतिक वैचारिक बदले की कार्रवाई से बाज आना चाहिए यह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है. आइपीएफयूएपीए तथा एनएसए जैसे काले कानूनों को खत्म करने की अपनी मांग को पुनः दोहराता है, आइपीएफयह महसूस करता है कि देश में बढ़ रहे अधिनायकवाद के खिलाफसभी लोकतांत्रिक शक्तियों को एक मंच पर एकताबद्ध होकर इसका मुकाबला करना चाहिए. आइपीएफने आज रोजगार को मौलिक अधिकार बनाने के लिए युवा मंच समेत सभी छात्र युवा संगठनों के द्वारा चलाएं गये अभियान और किसान विरोधी अधिनियमों के खिलाफकिसानों मजदूरों के आंदोलन को सफल बनाने के लिए बधाई देते हुए इससे बनी एकता को एक राजनीतिक ताकत में बदलने की अपील भी की. यह राजनीतिक प्रस्ताव आइपीएफके राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी ने प्रेस को जारी किया.

योगी सरकार के अफसर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों की दिलवा रहे सुपारी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महोबा में एक व्यापारी की हत्या पर उत्तर प्रदेश सरकार को घेरते हुये आज आरोप लगाया कि राज्य में जंगलराज है। वाड्रा ने एक प्रमुख हिंदी दैनिक की खबर का लिंक साझा करते हुये ट्विटर पर लिखा,'' महोबा के व्यापारी इंद्रकांत त्रिपाठी की हत्या पूरी उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर सवाल है। भारतीय जनता पार्टी सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। अब इस सरकार के अफसर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुपारी दिलवा रहे हैं। ''शोषण पर आवाज उठाना बना मौत का कारण शीर्षक से छपी इस खबर पर कांग्रेस नेता ने लिखा, ''जंगलराज का भयावह रूप है यह।

इन्स्पायर एवार्ड मानक के पंजीकरण पर लगा कोरोना ग्रहण

- मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी के प्रयासों से अब तक हुये 1550 पंजीकरण
- इंस्पायर एवार्ड पंजीकरण में हरदोई 746 तो लखनऊ केवल 211 के साथ चौथे स्थान पर

लखनऊ, संवाददाता। गरीब संवर्ग के विज्ञान मे अभिरूचि रखने वाले बच्चों के लिये इंस्पायर एवार्ड मानक एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म बन चुका है। इस महत्वाकांक्षी विज्ञान प्रतियोगिता में गत वर्ष पूरे उत्तर प्रदेश के 18 मण्डलों में 31,433 प्रोजेक्ट का पंजीकरण हुआ था। जिसका 21.78 पतिशत कुल 6878 अकेले लखनऊ मंडल के हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, लखनऊ, लखीमपुर खीरी और सीतापुर से हुआ था। जिसमें हरदोई 4447 पंजीकरण के साथ पहले स्थान पर था। परन्तु इस बार इन्सपायर एवार्ड के पंजीकरण पर कोरोना ग्रहण लग गया है। कोरोना के चलते न तो सरकारी और न ही निजी विद्यालय इसमें पंजीकरण करा रहे है। नौ सितम्बर तक पोर्टल पर पंजीकृत 1279 विद्यालयों से केवल 69 विद्यालयों के 151 पंजीकरण हुये थें। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार के प्रयासों के फलस्वरूप 14 सितम्बर तक 1550 पंजीकरण इंस्पायर एवार्ड में हो चुके है। दिनेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में पंजीकरण की अंतिम तिथि अभी तक 30 सितम्बर ही है। उन्होनें शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा स्कूल के प्रधानाचार्यों से अपील की कि वे अपने यंहा से कक्षा 6 से कक्षा 10 तक के कम से कम पांच विद्यार्थियों का पंजीकरण इंस्पायर एवार्ड में करवायें। इस सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षके भी पहले ही सभी विद्यालयों को आदेश जारी कर चुके है।

शराब के नशे में दोस्त ही बन गए कातिल युवक को उतारा मौत के घाट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार एक तरफ जहां कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लाख प्रयास कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर अपराधियों के बुलंद हौसले कानून व्यवस्था को लगातार मुंह चिढ़ा रहे हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जुड़ा है। जहां शराब के नशे में दोस्तों ने एक युवक की हत्या कर दी। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया था लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक राजधानी के मंड़ियांव थाना क्षेत्र में बीते रविवार की रात तीन दोस्त चिंटू, रवि और बॉबी साथ में शराब पी रहे थे। जिसके बाद उन्होंने किसी बात को लेकर विवाद में अपने दोस्त पर लाठी से हमला कर दिया। मारपीट में घायल हुए युवक सुनील को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि यह मामला बीते रविवार की रात लगभग साढ़े दस बजे का है। जहां तीन दोस्तों ने मामूली विवाद में सुनील नाम के युवक पर लाठी से हमला बोल दिया। जिसके बाद मामले की सूचना होने पर पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया था लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी युवकों की तलाश की जा रही है।

सामाजिक संगठनो ने 27 सितम्बर को होने वाले लठ मार्च की टीम उस्मानिया ने की हिमायत

लखनऊ, संवाददाता। टीम उस्मानिया के संयोजक मो0 उस्मान अन्सारी ने जारी अपने बयान में कहा कि भारत को आजाद हुए 70 वर्ष हो चुके है। और इन 70 वर्षो में मुगलो और नवाब,अंगेजो के अलावा आर.एस.एस संघ के लोगो ने भारत की तरक्की व खुशहाली के लिए कोई काम न किया आगे उस्मान अन्सारी ने कहा कि अफसोस तो इस बात का है। सावरकर,गोलवारकर,गोडसे की नाजायज़ औलादे मुगलो और नवाबो की वंशज से सवाल कर रहे है।कि अपने भारत वासी होने का प्रमाण दो जबकि इतिहास के पन्नो में हाशिमपुरा से मलियाना तक महाराष्ट्र से बंगाल तक जलियावाला बाग इस बात की गवाही दे रहा है। कि हमारे उल्माओ ने भारत को आजाद कराने के लिए अपने आप को शहीद होना गवारा समझा आज वर्तमान सरकार जो आर.एस.एस क एजेंडे को मजबूत कर रही है। सच बोलने वालो को संगीन धाराए लगाकर जेलो में डाला जा रहा है। इसके बावजूद इस भारत जैसे देश में सच बोलने वाले लोग अभी मौजूद है। जैसे राष्ट्रीय भागीदारी आन्दोलन के संयोजक पी0सी0 कुरील,इण्डियन नेशनल लीग के संयोजक हाजी फहीम सिद्दीकी, राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मो0 आफाक आदि जैसे लोग अभी मौजूद है जो लोकतंत्र संविधान की रक्षा लिए आगे बड रहे है। मै इन मुजाहिद लोगो का शुक्रगुजार हू और 27 सितम्बर को शाम 4 बजे बर्लिंगटन चौराहे से गॉधी प्रतिमा तक लठ मार्च को लेकर जो काल मोहम्मद आफाक ने की है उस काल में टीम उस्मानिया का समर्थन रहेगा और मै भारतवासियो से खास तौर पर अपील करता हू इस लठ मार्च को कामयाब बनाए अपने हाथो मे लठ और तिरंगा लेकर देश हित मे निकले।

हिंदी दिवस के सुअवसर पर राष्ट्र भाषा पखवाड़े का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। हिंदी दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रभाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 14 सितंबर से 28 सितंबर तक की अवधि को राजभाषा पखवाड़े के रूप में आयोजित करने का प्रावधान किया गया है एवं इसी के अंतर्गत उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में भी इस अवधि विशेष में मंडल द्वारा राजभाषा का प्रचार-प्रसार करते हुए राजभाषा पर विभिन्न प्रकार के कार्यकलापों को आयोजित किया जाएगा, आज इस हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ लखनऊ स्थित मंडलीय कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया, इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने लखनऊ मंडल के ई समाचार बुलेटिन फलखनऊ दर्पणफका ऑनलाइन विमोचन भी किया गया, इस बुलेटिन को द्विमासिक आधार पर नियमित रूप से प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी व अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) द्वारा राजभाषा पखवाड़ा 2020 के सम्पूर्ण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए भविष्य में भी ऑनलाइन संचार माध्यमों को प्राथमिकता देते हुए हिंदी को सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करने का आश्वासन दिया गया, इस पखवाड़े के अंतर्गत सम्पूर्ण मंडल पर हिंदी के महान साहित्यकारों ,कवियों ,हिंदी जगत में मनीषियों ,विचारकों सहित हिंदी क्षेत्र की महाविभूतियों के कृतित्वों का उल्लेख करते हुए उनकी सूक्तियों एवं बैनरों को लगाने का प्रावधान किया गया है साथ ही प्रत्येक दिवस पर मंडल के विभिन्न स्थानों पर हिंदी कार्यशालाओं ,गोष्ठी,परिचर्चा सहित विभिन्न प्रकार की हिंदी से सम्बंधित कार्यकलापों ,गतिविधियों एवं प्रतियोगिताएं जैसे निबंध लेखन ,प्रश्नोत्तरी ,वाद-विवाद ,टिप्पणी लेखन एवं अन्य प्रकार की हिंदी से सम्बंधित स्पर्धाओं को आयोजित करने का प्रावधान किया गया है।इस अवसर पर अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने हिंदी को भारत की 'प्राणशक्ति' की संज्ञा देते हुए हिंदी की महत्ता ,उपयोगिता एवं जीवन में अनिवार्यता का उल्लेख किया साथ ही यह भी बताया कि अपनी सरसता, सरलता एवं सहज भावाभिव्यक्तियों के कारण ही हिंदी जन दृजन की भाषा है एवं सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है।

प्रस्तावित नई भर्ती नीति के प्रबल विरोध का आगाज

कर्मचारी शिक्षक समन्वय समिति ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के लाखों कर्मचारियों, शिक्षकों, दैनिक संविदा श्रमिक वर्मचार्ज कर्मियों एवं पेंशनर्स के संयुक्त फेरम उ0प्र0 कर्मचारी शिक्षक समन्वय समिति ने सरकार द्वारा प्रस्तावित नई भर्ती नियमावली का विरोध करते हुये मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है और 19 सितम्बर 2020 को लखनऊ में राजभवन के सामने लोक निर्माण विभाग स्थित मिनि0 संघ भवन प्रेरणा सदन में 1:00 बजे आपात बैठक का आयोजन किया है, जिसमें समन्वय समिति से जुड़े महासंघो,परिसंघों,संघो के शीर्ष पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा अन्य तमाम संगठनों जो समन्वय समिति के साथ संघर्ष में साथ आना चाहें वह भी बैठक में सादर आमंत्रित हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगे की आन्दोलनात्मक रणनीति तय की जायेगी। विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता समन्वय समितिध्शिक्षक महासंघ,माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा एम0एल0सी0, समिति समन्वयक अमरनाथ यादव एवं प्रवक्ता बी0एल0 कुशवाहा ने संयुक्त बयान में कहा कि प्रदेश के कर्मचारी शिक्षक कोरोना फ्रंट लाइन पर जूझने के साथ-साथ वेतन भत्तों में कटौती, निजीकरण के खतरे, पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली, ठेकेदारी प्रथाध्संविदा की समाप्ति कर नियमित नियुक्ति की मांग से जद्दोजहद कर ही रहे थे कि अब सरकार ने समूह 'ग' एवं 'ख' के पदों पर भर्ती की नई नियमावली प्रस्तावित कर गर्दन पर नई तलवार रख दी है। सरकार द्वारा प्रस्तावित नई भर्ती नियमावली के अमल में आने के बाद आने वाले समय में सरकारी सेवा नगण्य मात्र रह जायेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं से चयनित होने के बावजूद भी समूह 'ग' एवं 'ख' श्रेणी तक के पदों पर संविदा आधार पर नियत वेतन पर उनकी नौकरी चलेगी जो छमाही मूल्यांकन में पास होते जायेंगे, बाकी शेष बाहर होते जायेंगे। 5 साल बाद जो बचे रहेंगे उन्हें नियमित नियुक्ति, पद एवं वेतन आदि लाभ मिल पायेगा। अर्थात क्लास-2 तक के अधिकारी संविदा श्रमिक के रूप में सरकारों, सत्तासीन नेताओं एवं वरिष्ठ,मूल्यांकन अधिकारियों की दया पर बंधुआ कामगार के रूप में काम करेंगे।

सरकार बदले की भावना से अपने विरोधियों को प्रताड़ित करने के लिए इस्तेमाल करेगी एसएसएफ माकपा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मंडल ने एक प्रेस बयान में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष सुरक्षा बल के गठन के औचित्य पर सवाल उठाते हुए इसे असीमित अधिकार दिए जाने का कड़ा विरोध किया है। विशेष सुरक्षा बल अपनी मर्जी से किसी को भी बिना किसी आधार और वारंट के गिरफ्तार कर जेल भेज सकता हैं उसे मजिस्ट्रेट की अनुमति की भी जरूरत नहीं होगी इस प्रकार विशेष सुरक्षा बल के अधिकारियों और सदस्यों को किसी भी नागरिक की स्वतंत्रता एवं गरिमा के अतिक्रमण करने का अधिकार दिया जा रहा है। किसी निर्दोष को गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने के लिए सुरक्षाबलों के सदस्यों पर मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता और इस प्रकार वे निरंकुश होंगे। यही नहीं अदालतें इनके संबंध में तभी संज्ञान ले पाएंगी जब उत्तर प्रदेश सरकार इसकी इजाजत देगी।

पीपुल्स यूनिटी फोरम ने विशेष सुरक्षा बल को बताया जनता की उठती आवजो का गला दबाने की कोशिश

लखनऊ, संवाददाता। पीपुल्स यूनिटी फोरम लखनऊ की बैठक वरिष्ट सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट रामकिशोर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष सुरक्षा बल गठित करते हुए उसे बिना वारंट गिरफ्तारी का और तलाशी के अधिकार देने की तुलना रौलेट ऐक्ट से की। सभी ने एक स्वर से इस लोकतंत्र विरोधी पुलिस बल के गठन की निंदा की। आधिवक्ता वीरेन्द्र त्रिपाठी ने गम्भीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा ऐसे निरंकुश पुलिस बल का गठन, निश्चित रूप से सरकार के विरोध में उठने वाले स्वरों का दमन करने का कुत्सित प्रयास है, जो खुले तौर पर लोकतन्त्र के लिए गम्भीर खतरा है।किसी भी दशा में सरकार द्वारा गठित ऐसे लोकतंत्र विरोधी और असवैधानिक पुलिस बल को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह बहार ने कहा कि यदि पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार मिलता है, तो अदालत की जरूरत ही खत्म हो जाएगी।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गैंगस्टर एक्ट ,गुंडा एक्ट, एसएमए और यूएपीए जैसे कानूनों में सरकार का विरोध करने वालों का उत्पीड़न किया जा रहा है। इस एक्ट से तरह से आम नागरिको में भय का वातावरण कायम होगा। पुलिस को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार दे दिया गया तो हाहाकार मच जाएगा। ओ पी सिन्हा ने कहा कि निश्चित रूप से सरकार अपने खिलाफउठने वाली आवाजों को दबाने के लिए यह पुलिस बल एक हथियार होगा जिससे पुलिसिया राज कायम कर सरकार मनमाने ढंग से अलोकतांत्रिक क्रिया कलाप को अंजाम देगी।बैठक में एडवोकेट शमशेर अली ने कहा कि यह कानून संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुलिस राज में तब्दील कर देने की कोशिश है जो अन्ततः भारत के सामाजिक व राजनैतिक ताने बाने के ही विरुद्ध है। बैठक में एडवोकेट लक्ष्मी नरायण, डा.सतीश श्रीवास्तव,एडवोकेट विजय कुमार, रामकृष्ण, अजय शर्मा,एडवोकेट आसिफ सिद्दीकी,विपिन त्रिपाठी, एडवोकेट जय प्रकाश,शिवाजी राय आदि ने सरकार के इस लोकतंत्र विरोधी कदम का घोर विरोध किया और सरकार से अपील की कि इसे तुरंत वापस ले अन्यथा पीपुल्स यूनिटी फोरम सरकार द्वारा बनाये जा रहे इस लोकतन्त्र विरोधी,कानून विरोधी पुलिस बल के गठन के विरोध में सड़क पर उतरेगा।

1 जुलाई 2020 के बाद सृजित पदों पर नहीं होगी भर्ती खाली पद भी नहीं भरे जाने का फरमान जारी

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने भेजा देश के वित्त मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज भारत सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी किए गए 4 सितंबर के पत्र पर देश के वित्त मंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री को उनके ऑफिशाल ईमेल आईडी पर एक विस्तृत पत्र भेजकर अपनी चिंता जाहिर किया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति अवगत कराया है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा प्रबंधन एवं खर्चों में कटौती से संबंधित एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया गया है, जिसके तहत प्रशासनिक व्यय एवं पदों की सृजन पर अंकुश लगाया गया है। पत्र के माध्यम से आवश्यक पुस्तकों एवं प्रपत्रों के प्रकाशन आयातित पेपर पर नहीं करने, सरकारी उत्सव ,स्थापना दिवस इत्यादी पर मितव्ययिता करने के निर्देश के साथ-साथ कर्मचारियों के पदों में व्यापक कटौती के निर्देश भी जारी किए गए हैं। जारी किए गए पत्र में 1 जुलाई 2020 के बाद सृजित किए गए सभी पदों पर भर्ती नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। तिवारी ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में अवगत कराया है कि शासन के इस पत्र से कोविड नियंत्रण में लगे कर्मचारियों को झटका लगा है। उन्होंने बताया है कि चिकित्सा स्वास्थ्य ,नगर निगम ,प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा, पुलिस प्रशासन, परिवहन निगम, खाद्य रसद , फूड प्रोसेसिंग जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग कोविड नियंत्रित करने की लड़ाई युद्ध स्तर पर लड़ रहे हैं। इन विभागों में कर्मचारियों के हजारों पद पहले से ही रिक्त हैं। कर्मचारियों की कमी के बावजूद भी कोविड-19 की लड़ाई लड़ने में किसी तरह की कोताही कर्मचारियों द्वारा नहीं बरती जा रही है। अब इस नए फरमान से निकट भविष्य में रिक्त पदों को भरे जाने, नए पदों के सृजन की उम्मीद पर भी पानी फिर गया है। तिवारी ने उत्तर प्रदेश के हवाले से अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में एक हजार से भी अधिक लैब टेक्नीशियन एवं 5000 से भी अधिक नर्सेज के पद खाली पड़े हुए हैं। कोविड की लड़ाई में इन दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस समय अधिक से अधिक मैन पावर की आवश्यकता है। पदों के सृजन पर रोक लगाने एवं पदों को न भरने के आदेश से कोरोना की लड़ाई भी प्रभावित होगी। उन्होंने अवगत कराया है कि कर्मचारियों से संबंधित मितव्ययिता के आदेश पहले भी जारी हो चुके हैं। जून 2021 तक महंगाई भत्ते पर रोक लग चुकी है। उत्तर प्रदेश में नगर प्रतिकर भत्ता सहित दर्जनों भत्ते समाप्त किए जा चुके हैं। अब पदों के न भरे जाने से कर्मचारियों के सामने नया संकट उत्पन्न हो गया है। जे एन तिवारी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से अनुरोध किया है कि कोविड नियंत्रण के लिए कर्मचारियों से संबंधित पदों के सृजन एवं पदों को भरे जाने पर लगी रोक को हटाने पर तत्काल विचार करें।

सरकार का कर्मचारी विरोधी फार्मूला स्वीकार नहीं: महासंघ

लखनऊ, संवाददाता। आज उ0प्र0 चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की एक अति आवश्यक बैठक रामराज दुबे प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता लो0नि0वि0 प्रागंण स्थित उ0प्र0 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ लो0नि0वि0 में सम्पन्न हुई बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने किया बैठक में कोरोना काल में सरकार द्वारा सरकार कर्मचारियों के खिलाफकिए जा रहें निर्णय पर नाराजगी जाहिर कि कोरोना योद्धा के रूप में कार्य कर रहे सरकारी कर्मचारियों के पहले भत्ते काटे गये, डी0ए0 सीज किया गया, 50 वर्ष के बाद जबरन सेवानिवृत्त किये जाने और अब नई नियुक्ति बन्द कर संविदा कर्मचारियों के रूप में भर्ती जिसका स्थायीकरण 5 वर्ष बाद समीक्षा के उपरान्त किया जायेगा। जिससे सरकारी कार्य निश्चित रूप से प्रभावित होगा। सरकार की इस नीति से योग्य कर्मिकों का सरकारी सेवा से मोह भंग हो रहा है।

प्रदेश में अब तक कुल 76 लाख 36 हजार से अधिक सैम्पल की जांच

प्रदेश में विगत 24 घंटें में कोरोना के संक्रमित 5208 नये मामले

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। इस कार्यवाही को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए उन्होंने आवश्यकतानुसार सर्विलॉन्स टीम की संख्या में वृद्धि के निर्देश दिये हैं। उन्होंने औषधि नियन्त्रण को निर्देशित करते हुए कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि कोविड-19 के दृष्टिगत अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों में सभी आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। इन औषधियों के बैकअप की व्यवस्था भी की जाए। कहीं भी दवाओं की जमाखोरी न होने पाए। यदि ऐसा हो तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में स्थापित ऑक्सीजन प्लाण्ट्स प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में निर्धारित दर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति करें। ऑक्सीजन की दर वही रहनी चाहिए, जो कोविड-19 के पहले थी। उन्होंने ऑक्सीजन की कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन की कमी न होने पाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये है कि सभी अस्पतालों में 48 घंटे ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, गोरखपुर, वाराणसी तथा मेरठ में सभी मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल पूरी गुणवत्ता एवं क्षमता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि औषधि नियंत्रण इन जनपदों में दवाईयां तथा ऑक्सीजन की सुचारु उपलब्धता बनाये रखें। औषधि नियंत्रण द्वारा प्रदेश में दवाओं एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता व आपूर्ति के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रतिदिन आख्या उपलब्ध करायी जाए। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड अस्पतालों में चिकित्सकों एवं पैरामेडिक्स की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग के अधीन कोविड चिकित्सालयों में बेड्स की संख्या में वृद्धि की जाए। के0जी0एम0यू0, एस0जी0पी0जी0आई0 तथा आर0एम0एल0आई0एम0एस0 द्वारा 1,000 आई0सी0यू0 बेड्स की व्यवस्था की जाए।

इन्द्रकांत त्रिपाठी के परिजनों से मिलने जा रहे प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, विधायक दल नेता आराधना मिश्रा 'मोना' गिरफ्तार, देर शाम रिहा

➲ हत्या, डकैती, बलात्कार भ्रष्टाचार और कोरोना ने प्रदेश में नए आयाम स्थापित कियेः अजय कुमार लल्लू ➲ डीएम एसपी अपराध की नर्सरी चला रहे है, अफसर लेते है फिरौती योगीराज मेंः अजय कुमार लल्लू ➲ संविधान की हत्या हो रही है योगीराज में, द्वेषपूर्ण तरीके से बाधित की जा रही है राजनैतिक प्रक्रियाः आराधना मिश्रा मोना ➲ प्रदेश में जंगलराज अपने चरम पर, महिला हिंसा और अपराधों का हब बना उत्तर प्रदेशः आराधना मिश्रा मोना ➲ योगीराज में कानून व्यवस्था वेंटिलेटर पर, अपराध और कोरोना में मची हैं होड़ः सोहेल अख्तर अंसारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में बढ़ते अपराध, हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और भ्रष्टाचार पर योगी सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि योगी से प्रदेश की बाग़डोर अब संभाली नहीं जा रही है , बेहतर होगा कि वो इस्तीफा देकर जनता के घाव पर मरहम रखने का काम करें, प्रदेश की जानता उनको साधुवाद देगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो गयी है। हत्या, अपराध भ्रष्टाचार को संस्थागत संरक्षण मिला हुआ । पिछले तीन सालो से प्रदेश की जनता योगी की प्रशासनिक अक्षमता को झेल झेल कर हताश हो चुकी है। हत्या, अपहरण, फिरौती, बलात्कार का हब बन चूका है उत्तर प्रदेश। अपराधी मनबढ़ हो चुके हैं । पुलिस का इकबाल रोज रक्त-रंजित होता है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि ÷क्या अपराधी, क्या अधिकारी सब जनता को लूटने में व्यस्त है।÷ यह जंगलराज की पराकाष्ठा ही है कि पुलिस द्वारा

अचोंलो से

फिरौती के लिए महोबा के व्यापारी को गोली मार के हत्या की जाती है और फिर मृतक के परिजनों से मिलने भी नहीं दिया जाता है । उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर है जब जिले के डीएम और पुलिस अधीक्षक अपराध की नर्सरी खुद सरकारी दफ्तर से संगठित रूप से चला रहे हैं । उत्तर प्रदेश में अपराध को संस्थागत संरक्षण मिला हुआ है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सड़को पर संविधान की मूल आत्मा को रक्त-रंजित किया जा रहा है । कानून का राज की जगह पुलिसतंत्र का राज है। योगी द्वेषपूर्ण तरीके राजनैतिक प्रक्रियाओं को बाधित कर रहे हैं । आम जानता को छोड़िये सियासी पार्टी के लीडरान तक के अधिकारों पर सरकार ने रोक लगा रही है। पुलिस की लाठियों और बूटों तले लोकतंत्र कराह रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महिला अपराध में प्रदेश टॉप पर है। महिला हिंसा और गैंगरेपके मामले उत्तर प्रदेश में रूकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सोहेल अख्तर अंसारी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को हिरासत में लिए जाने पर योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव के वक़्त कानून का राज का नारा लगाने वालो के राज में आज कानून व्यवस्था ही वेंटिलेटर पर पहुँच चुकी है। पूरे प्रदेश में अपराध को कोरोना बेकाबू हो गए हैं। योगीराज में न तो लोगो को उचित स्वास्थ्य सेवाएं ही मिल रही है और न ही भय मुक्त शासन। भाजपा की योगी सरकार जुमलेबाजों की सरकार है। पूर्व सांसद राकेश सचान, प्रदेश सचिव विकास अवस्थी, कानपुर देहात की अध्यक्ष उषा रानी कोरी और हमीरपुर की जिला अध्यक्ष नीलम निषाद घाटमपुर थाने पर उपस्थित रहीं।

नागर विमानन प्रशिक्षण कालेज बमरौली में हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया

प्रयागराज। अतुल दीक्षित, कार्यपालक निदेशक व प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्वलित करके इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शरणागत श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (संचार) एवं विक्रम कपूर, महाप्रबंधक (वा.या.प्र.) भी इस अवसर पर उनके साथ शामिल हुए। अतुल दीक्षित ने इस अवसर पर गृह मंत्री, भारत सरकार का हिन्दी दिवस संदेश संप्रेषित करने के साथ-साथ अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यालयीन काम-काज में साधारण व सहज हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यालय द्वारा 95 प्रतिशत से अधिक हिन्दी पत्राचार इस तथ्य को परिपुष्ट करता है कि इस संस्थान के तकनीकी स्तर के होते हुए भी अधिकांश कार्मिक हिन्दी में काम-काज को प्राथमिकता देते हैं। कार्यालय में दिनांक 14 से 30 सितम्बर तक आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़ा के दौरान कुल 07 प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी तथा प्रत्येक प्रतियोगिता के चार सफल प्रतियोगियों को दिनांक 30 सितम्बर, 2020 को आयोजित होने वाले हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। कोविड-19 की समस्या के मद्दे नजर सभी प्रतियोगिताएँ ऑनलाइन आयोजित की जाएँगी। हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के अवसर पर कार्यक्रम संचालन अमरेन्द्र कुमार चौधरी, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा देवकान्त पाण्डेय, सहायक प्रबंधक (राजाभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यालय के कार्मिकों ने इस कार्यक्रम को ऑनलाइन देखा।

चंदन बने विधान सभा अध्यक्ष

प्रयागराज। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूती देने के लिए युवाओं पर भरोसा जताया है। मेजा के मवैया निवासी युवा नेता चंदन सिंह यादव को मेजा विधानसभा का अध्यक्ष बनाया है। मनोनयन के बाद चन्दन सिंह ने पार्टी अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव एवम जिलाध्यक्ष शिवबरन सिंह यादव का आभार जताया, साथ ही कहा कि पार्टी के प्रति अपने कर्त्तव्यों का निवर्हन पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करता रहूंगा।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर रमेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त उपस्थित सभी सदस्यों का परिचय प्राप्त किया। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के उद्देश्य एवं लक्ष्य के सम्बंध में जानकारी दी।

मण्डलायुक्त ने मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के गठन हेतु उपस्थित अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति का गठन किये जाने सम्बंधी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने कहा कि मण्डलीय खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के अन्तर्गत खेलों को बढ़ावा देने हेतु महिलाओं व दिव्यांगजनों को खेलों में प्रतिभागिता हेतु आकर्षित किया जाये। उन्होंने अधिक से अधिक खिलाड़ियों को खेल से जोड़ने हेतु मण्डलीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराये जाने को कहा साथ ही मण्डलीय प्रतियोगिता कार्यक्रम जारी करने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने स्कूलों को खेलों के लिए चिन्हित करते हुए अन्तर जिला प्रतियोगिता का आयोजन कराये जाने तथा स्कूलों में खेल के अवस्थापनाओं को भी चिन्हित करने को कहां। उन्होंने स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत ओपेन जिम स्थापित कराये जाने की आवश्यकता को बल दिया है। साथ ही नेहरू युवा केन्द्र को जो केन्द्र सक्रिय नहीं है, उन्हें सक्रिय किये जाने हेतु सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में अभिन्न श्याम गुप्ता, अर्जुन एवार्डी ने स्कूलों में खेल अवस्थापनाओं को देखते हुए बैडमिंटन हाल के निर्माण कराये जाने हेतु सुझाव दिया, जिसे मण्डलायुक्त ने स्वीकार कर लिया।

पिता ने बेटे और बहू पर कुल्हाड़ी से किया हमला

प्रयागराज। उतरांव के आराकलां गांव में एक कलयुगी पिता ने बेटे और बहू पर कुल्हाड़ी से जान लेवा हमला करके गम्भीर रूप से घायल कर दिया है। बेटे ने पिता और बहनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आराकलां गांव निवासी श्यामबाबू पटेल अपनी पत्नी प्रमिला के साथ घर पर मजदूरी करके जीवन यापन करता है। श्यामबाबू ने पिता पुरुषोत्तम पटेल से जीविकोपार्जन के लिए जमीन मांगा तो पिता और बहनों से कहासुनी होने लगी। जिससे तैश में आकर पिता पुरुषोत्तम ने अपनी बेटियों के साथ मिलकर श्यामबाबू और उसकी पत्नी प्रमिला को दौड़ा दौड़ा कर लाठी-डंडे,सरिया और कुल्हाड़ी से हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। श्यामबाबू उतरांव थाने पर पहुंच कर पिता और बहनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गंभीर चोट के कारण श्यामबाबू और उसकी पत्नी प्रमिला को सीएचसी सैदाबाद से बेली अस्पताल प्रयागराज रेफर किया गया है।

मण्डलायुक्त ने 50 करोड़ रूपये की लागत से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार सोमवार को गांधी सभागार में 50 करोड़ रूपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को उपलब्ध धन के सापेक्ष गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने रज्जू भैया विश्वविद्यालय, जिला कारागार नैनी, सीवरेज योजना, जनपद न्यायालय, मा0 उच्च न्यायालय में कोर्ट रूम एवं चेम्बर निर्माण, जनपद कौशाम्बी में मेडिकल कालेज के निर्माण कार्य, जनपद प्रतापगढ़ में गंगा नदी पर बन रहे सेतु तथा सांगीपुर में 220 केवी विद्युत पारेषण केन्द्र के निर्माण कार्य तथा राजकीय मेडिकल कालेज, प्रतापगढ़ के निर्माण कार्य जनपद फतेहुपर में स्पोर्टस कालेज के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यों को समय से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है।

सर्वप्रथम मण्डलायुक्त ने प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया प्रयागराज के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पुलिस चैकी, बैंक, पोस्ट आफिस आदि कार्य पूर्ण कर लिया गया है व फण्ड की कमी से जो काम रूके हुए है, उन कार्यो को शीघ्र ही पूरा कराया जायेगा। जिला कारागार नैनी में किए जा रहे निर्माण कार्य की देरी पर मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्था को चेताते हुए कहा कि समय से कार्य को पूरा करें, जो आवास बनने है, उन्हें जल्द से जल्द खाली कराकर वहां पर निर्माण कार्य शुरू करायें। प्रयागराज में कराये जा रहे सीवरेज योजना के तहत घरेलू कनेक्शन का कार्य शत-प्रतिशत समय से पूरा कराने के निर्देश दिये। प्रयागराज के जनपद न्यायालय में 24 सिविल कोर्ट का निर्माण कराया गया है, इस सम्बंध में उनको बताया गया कि कार्य को समय से पूर्ण कर लिया जायेगा। साथ ही उन्होंने उच्च न्यायालय में 30 कोर्ट रूम एवं 20 चेम्बर के निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि बनाये गये कोर्ट रूम में कार्य पूर्ण हो चुका है। मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुए कहा है कि अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष निर्माण कार्य की प्रगति शत-प्रतिशत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी-आशीष कुमार, अपर आयुक्त-भगवान शरण तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पोस्ट आफिस में डाक कर्मियों को सरकारी योजनाओ की दी जानकारी

प्रयागराज। सब डिविजनल की बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को मेजा डिवीजन की एक बैठक तहसील मुख्यालय मेजा स्थित पोस्ट ऑफिस में हुई,जिसमें मेजा सब डिविजनल इंस्पेक्टर इंद्रजीत पाल ने मेजा, कोरांव और करछना से आये डाक कर्मियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आये सभी शाखा डाकपालो को प्रमुख रूप से एरिया पोस्ट, पेमेंट बैंक, सुकन्या योजना, अटल पेंशन बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना आदि के बारे में खाता खोलने और अन्य जानकारियों के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में डाक अभिदर्शक अजय कुमार और शिवशंकर सहित तीनो तहसील के शाखा डाकपाल मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना का लाभ उठाकर युवा स्वरोजगार के माध्यम से बन रहे आत्मनिर्भर

प्रयागराज। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राम औतार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना खासतौर पर बेरोजगार युवाओं के लिए शुरू की गयी है। इस योजना का लाभ प्रदेश के सभी बेरोजगार युवा उठा सकते है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि जनपद प्रयागराज में वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11 इकाईयों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिनकी धनराशि रु0- 55.00 लाख है। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत अधिकतम रू0 10.00 लाख तक का ऋण बैंकों के माध्यम से दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना के अन्तर्गत टर्म लोन (पूँजीगत ऋण) पर 4 प्रतिशत ब्याज सामान्य वर्ग के उद्यमियों द्वारा वहन किया जाएगा उससे ऊपर का ब्याज, ब्याज उपादान के रूप में शासन से टर्म लोन (पूँजीगत ऋण) पर अनुमन्य है। इसके अलावा आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक, भूतपूर्व सैनिक, विकलांग एवं महिलाओं) को टर्म लोन (पूँजीगत ऋण) पर समस्त ब्याज की धनराशि ब्याज उपादान के रूप में शासन से अनुमन्य है। इस योजना में यह भी प्रावधान है कि किसी भी वर्ग के उद्यमियों को कैश केडिट/कार्यशील पूंजी के ऋण पर ब्याज उपादान देय नहीं है। इसमें स्कोर कार्ड के आधार पर उद्यमियों का चयन कर बैंक के माध्यम से वित्तपोषण कराने का प्राविधान है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजना के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज में 52 ऋण आवेदन पत्र बैंको को भेजे गये हैं जिसमें 5 इकाईयां रु0- 31.00 लाख की स्वीकृत हैं एवं 2 इकाई रु0- 10.00 लाख का वितरण हुआ है। बैंको द्वारा स्वीकृत/वितरण की कार्यवाही की जा रही है।

लाभार्थी की उम्र 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। आई0टी0आई0/तकनीकी योग्यता/परमपरागत कारीगरो/सेवायोजन मे पंजीकृत उद्यमियों को वरीयता प्रदान की जायेगी साथ ही भारत सरकार द्वारा संचालित यथा-मुद्रा योजना, स्टेण्ड-अप योजना के लाभार्थी अपना आवेदन कर सकते है। इस योजनान्तर्गत शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले उद्यमीं जो ग्रामीण अंचलों में उद्योग लगाना चाहते है, वे भी आवदेन कर सकते है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश का काई भी इच्छुक व्यक्ति जो अपना स्वंय का रोजागर करना चाहते है, वे इस योजना के माध्यम से अपना व्यवसाय शुरू कर सकते है। उ0प्र0 खादी और ग्रमोद्योग बोर्ड तथा शासन की अन्य योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को इस योजना का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह योजना मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को स्वंय रोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गयी है। रोजगार पाने के इच्छुक युवा आफिशियल वेबसाइट http://upkvib.gov.in/ पर जाकर आवेदन कर सकते है एवं इस योजना का लाभ उठाकर अपना स्वंय का रोजगार स्थापित कर सकते है।

योजना में आवेदन के लिए आवेदनकर्ता के पास आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, आयु प्रमाण पत्र के साथ ही जहां पर व्यापार शुरू करना है उस इकाई/स्थान की प्रमाणित प्रमाण पत्र की कॉपी, जोकि ग्राम प्रधान कार्यकारी अधिकारी द्वारा सत्यापित होनी चाहिए एवं मोबाइल नम्बर व पासपोर्ट साइज फोटो होनी चाहिए।

भाव एवं भावनाओं की भाषा है हिंदी

(एनजीबीयू में हिन्दी दिवस समारोह सम्पन्न)

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के शोध केन्द्र हिंदी परिसर में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 आनंद शंकर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा का प्रयोगकर्ता ही भाषा को सहेजता और बनाता है। हिन्दी को तकनीक, विज्ञान, विधि, चिकित्सा तथा प्रौद्योगिकी की भाषा बनना होगा तभी हीन्दी वैश्विक स्तर पर और सुदृढ़ होगी। कुलाधिपति श्री जे0एन0 मिश्र ने कार्यक्रम में आनलाइन उद्बोधन में कहा कि हिन्दी सक्षम भाषा है। यह हमारे व्यवहार में भावाभिव्यंजनाओं के माध्यम से प्रकट होती है। उन्होंने हिन्दी दिवस की सबको बधाई और अतिथियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो0 राम मोहन पाठक ने कहा कि हिन्दी बहुत ही समृद्ध भाषा है। हिन्दी के लिए जीवन के मार्ग पर हम सबको संघर्ष करना होगा।हिन्दी भाषा में पहले से ही संगरोध जैसे शब्द मौजूद हैं जिन्हें हम आजकल क्वारन्टाइन के नाम से जानते हैं। हिन्दी में सामर्थ्य और क्षमता है। बाजार एवं तकनीक के कारण हीन्दी धीरे-धीरे वैश्विक स्तर पर और भी विस्तृत हो रही है।

वरिष्ठ साहित्यकार प्रो0 क्षमाशंकर पाण्डे ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी भाव एवं भावनाओं की भाषा है। यह सम्पूर्ण सांस्कृतिक चेतना है। भाषा एक तरह से बहता हुआ नीर है, जो समय के साथ द्रुत गति से आगे बढता रहता है। हिन्दी को सर्वस्वीकार्यता के लिए ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाना होगा।

प्रतिकुलपति डॉ0 एस0सी0 तिवारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हिन्दी अत्यन्त शक्तिशाली भाषा है। हिन्दी भाषियों ने कोविड19 के दौरान क्वारन्टाइन, आइशोलेसन जैसे शब्दों को आत्मशात कर लिया। हिन्दी विभाग के डॉ0 राजीव वर्मा ने हिन्दी दिवस की उपयोगिता बताते हुये कविता पढ़ी। विषय प्रवर्तन हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ0 ममता मिश्रा ने और स्वागत भाषण डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सव्यसाची ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 मंजू शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यापकगण एवं शोध छात्र बड़ी संख्या में आनलाइन और आफलाइन में उपस्थित रहे।

बेरोज़गारी, किसानों की बेहाली, निजीकरण में भ्रष्टाचार सहित 6 सूत्रिय मांगों को लेकर विरोध मे उतरे सपा कार्यकर्ता हुए गिरफ्तार

प्रयागराज। अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी के यूथ फ्रन्टल संगठन के पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं को ज़िलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने जाते वक़्त गिरफ्तार किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वाहन पर यूथ फ्रन्टल संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश में किसानों की बेहाली,महंगी शिक्षा,बेरोज़गारी,निजीकरण में भ्रष्टाचार एवं नए रोज़गार,आरक्षण,उत्तर प्रदेश में बीएड प्रवेश परीक्षा में दलित छात्रों को निशुल्क प्रवेष परीक्षा सहित अन्य मांगों को लेकर ज़िलाधीकारी के माध्यम से प्रदेश के महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपना चाहते थे लेकिन भारी पुलिस बल लगा कर योगी सरकार ने विरोध में उतरे सपाईयों को लाठी और बन्दूक के दम पर गिरफ्तार कर पुलिस लाईन ले गए।समाजवादी

पार्टी युवजन सभा के पूर्व ज़िलाध्यक्ष सन्दीप यादव,इलाहाबाद विश्वविद्धालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष अदील हमज़ा,अखीलेश गुड्डु,मुशीर अहमद,वीरु पासी,मयंक यादव जॉन्टी,प्रमिल यादव,संदीप चौधरी,प्रमोद यादव,मुलायम सिंहयादव यूथ ब्रिगेड के सचिव यथांश केसरवानी,यूथ ब्रिगेड के निर्वतमान महानगर अध्यक्ष सैफ फरीदी,सौरभ यादव रामा,मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के निर्वतमान ज़िलाध्यक्ष डॉ0अच्छे लाल यादव समेत सैकड़ो कार्यकर्ताओं को कटरा आनन्द हास्पिटल से कलेक्ट्रेट जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया।महानगर मीडिया प्रभारी सै0मो0अस्करी ने आरोप लगाया की योगी सरकार तानाशाही पर उतर आई हैं। लोकतन्त्र में अभिव्यक्ति की आज़ादी को दबाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरउपयोग करते हुए युवाओं की आवाज़ को पुलिस की लाठी और गोली के दम पर दबा रही है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र का गला घोंटने वाली योगी सरकार के विरुद्ध लगातार सड़कों पर उतर कर अपना विरोध जारी रखे है और आम जनमानस के लिए हर कुरबानी देने से पीछे नहीं हटेगी। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मो0शारिक़,निर्वतमान महानगर अध्यक्ष शाहिद प्रधान,छात्र सभा के कार्यवाहक महानगर अध्यक्ष आक़िब जावेद खान,महानगर मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता सै0मो0अस्करी ने प्रतापगढ़ शोक संवेदना व्यक्त करने जा रहे प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व प्रदेश के विभिन्न जनपदों में शान्तिपूर्वक ज्ञापन सौंपने जाने वाले सपाईयों पर लाठी चार्ज कर गिरफ्तार करने और लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाते हुए योगी सरकार के दमन पूर्वक युवाओं की आवाज़ को लोकतंत्र का गला घोंटते हुए दबाए जाने की कड़े शब्दों में निन्दा की।

राफेल: एक नजर इधर भी

भारत-चीन के बीच चल रही जबरदस्त तना तनी के बीच फ्रांस निर्मित बहुचर्चित एवं विवादित युद्धक विमान श्राफेलश् गत 10 सितम्बर को औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल कर लिया गया। इस अवसर पर अम्बाला छावनी स्थित वायुसेना स्टेशन पर एक समारोह आयोजित हुआ जिसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,उनकी फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ले व सेना व वायुसेना के सर्वोच्च अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले जब राफेल ने 29 जुलाई 20 को भारत की धरती पर अंबाला एयर फोर्स स्टेशन के रनवे पर अपनी सबसे पहली लैंडिंग की थी उस समय भी इन युद्धक विमानों का जोरदार स्वागत किया गया था। राफेल को वॉटर सेल्यूट देते हुए दोनों ओर से फायर ब्रिगेड के स्प्रे के बीच से निकाला गया था। पूजा पाठ व राफेल को बुरी नजर से बचाने का सिलसिला तो फ्रांस से लेकर अंबाला तक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में बल्कि उन्हीं के पावन हाथों से होता आया है। नींबू-मिर्च व नजर उतारने के सभी श्उपायश् भी किये जा चुके हैं। रक्षा मंत्री ने हैप्पी लैंडिंग इन अंबाला का सन्देश देकर राफेल का स्वागत किया था। गौरतलब है कि मोदी सरकार द्वारा फ्रांस सरकार के साथ 36 राफेल विमानों की ख़रीद का सौदा लगभग 59,000 करोड़ रुपये में किया गया है। इन्हीं 36 राफेल फाइटर विमानों में से मात्र 5 विमानों का पहला बैच फ्रांस के मेरिनेक एयरबेस से उड़कर संयुक्त अरब अमीरात होता हुआ अंबाला पहुंचा है और उन्हीं 5 विमानों की शान में 29 जुलाई से लेकर 10 सितंबर तक के यह सभी समारोह आयोजित होते रहे हैं। खबर है कि दिसंबर 2021 तक संभवतरू सभी 36 राफेल विमान भारत पहुंच जाएंगे। 29 जुलाई को जिस दिन 5 राफेल की आमद हो रही थी उस दिन का मीडिया कवरेज तथा अम्बाला वायुसेना स्टेशन के आसपास के सुरक्षा प्रबंध देखने लायक थे। अम्बाला वायु सेना क्षेत्र में प्रवेश निषेध होने के बावजूद मीडिया बता व दिखा रहा था कि किस समय 5 राफेल की टुकड़ी ने भारतीय आकाश में प्रवेश किया और आकाश में ही भारतीय वायु सेना के दो सुखोई फाइटर विमानों ने उनकी अगवानी की। अरब सागर में तैनात भारतीय नौसेना के युद्ध पोत आईएनएस कोलकाता द्वारा भी भारतीय जल क्षेत्र में प्रवेश करने पर राफेल का स्वागत किया गया। 29 जुलाई को मीडिया के लगातार प्रसारण ने विशेषकर अंबाला में कुछ ऐसा माहौल बना दिया था कि हजारों लोग तेज धूप के बावजूद अपनी अपनी छतों पर खड़े होकर वायु सेना के इस नए मेहमान के दर्शन करने को बेचौन दिखाई दिए। कुछ स्थानीय अखबारों ने उस दिन श्अम्बाला में आज दीवालीश् जैसे शीर्षक लगाकर राफेल के आने की ख़बर प्रकाशित की थी। 29 जुलाई को राफेल की सुरक्षा के दृष्टिगत अंबाला जिला प्रशासन द्वारा एयर फोर्स स्टेशन के तीन किलोमीटर परिक्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। प्रशासन हाई एलर्ट पर था तथा राफेल लैंडिंग के दौरान छतों से फोटोग्राफी करना व लोगों का जमावड़ा लगाना पूरी तरह से प्रतिबंधित था । पक्षी उड़ाने व पतंगबाजी करने तक पर रोक थी। जाहिर है यह सभी एहतियाती उपाय इसीलिये किये जा रहे थे ताकि बेशकीमती राफेल की सुरक्षा में कोई चूक या कमी न रह जाने पाए।

राफेल के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से पूर्व भी अंबाला वायु सेना स्टेशन मिग-21 व जगुआर जैसे युद्धक विमानों का केंद्र रहा है। देश के पश्चिम क्षेत्र की महत्वपूर्ण निगरानी केंद्र होने के कारण यहां दशकों से मिग-21 व जगुआर प्रायरू अपनी नियमित उड़ानें भरते रहते हैं। कम से कम ऊंचाई पर भी उड़ने की क्षमता रखने वाले इन विमानों की सुरक्षित उड़ान के मद्देनजर ही इस हवाई क्षेत्र के आसपास के इलाके में तीन मंजिला इमारत बनाए जाने पर कानूनन रोक है। परन्तु इसी शहर में मोबाईल टावर्स की भरमार जरूर है। राफेल की भारी क़ीमत और चीन से चल रहे वर्तमान तनावपूर्ण हालात को देखते हुए न केवल समस्त भारतवासियों बल्कि सभी सरकारी व गैर सरकारी विभाग के लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे राफेल की सुरक्षा सुनिश्चित करें और इस दिशा में अपना हर संभव योगदान भी दें। पिछले दिनों मैंने रात के समय अम्बाला के आसपास विशेषकर शहरी क्षेत्र का भ्रमण इसी मकसद से किया ताकि देख सकूं कि राफेल की आमद पर जश्न मनाने वाला देश आखिर राफेल की सुरक्षा के प्रति कितना गंभीर है। मैंने पाया कि 50 फुट से लेकर 200 फुट तक की ऊंचाई वाले अधिकांश मोबाईल टावर्स के शीर्ष का संकेत देने वाली लाल लाईट बुझी हुई हैं। इतना ही नहीं बल्कि बीएसएनएल व रेलवे जैसे माइक्रोवेव टावर्स जो कि लगभग 350 से लेकर 500 फुट तक की ऊंचाई रखते हैं उनमें भी कई टावर्स के शीर्ष पर आवश्यक रूप से जलने वाली संकेत रूपी लाल बत्ती बुझी हुई थी। मिग हो या जगुआर या अब भारतीय वायु सेना में नया शामिल हुआ राफेल,जरूरत पड़ने पर या अपनी नियमित उड़ान के समय भी कभी-कभी बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। राफेल की सुरक्षा के प्रति वायुसेना के अधिकारियों की भी चिंता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गत 10 सितंबर को राफेल के औपचारिक रूप से वायुसेना के बड़े में विधिवत शामिल होने से पूर्व ही भारतीय वायु सेना के निरीक्षण और सुरक्षा महानिदेशक, एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने, हरियाणा की मुख्य सचिव, केशनी आनंद अरोड़ा को एक आधिकारिक पत्र लिखकर अंबाला एयर फोर्स स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में कचरा निपटाने के लिए त्वरित उपाय करने का अनुरोध किया है। ऐसा पत्र कचरे के चलते पक्षी इक होने व इनके उड़ने के कारण राफेल लड़ाकू विमान की सुरक्षा को होने वाले संभावित खतरे के दृष्टिगत लिखा गया है। गौरतलब है कि अंबाला वायुसेना क्षेत्र में पक्षियों की संख्या अधिक होने कारण टकराव होने से इन बेशकीमती विमानों को बहुत गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। वायु सेना ने स्थानीय शहरी निकाय विभाग से भी मांग की है कि कम से कम अम्बाला एयरफील्ड के आसपास 10 किलोमीटर की परिधि में पतंगों व बड़े पक्षियों की गतिविधि को कम करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना (एसडब्ल्यूएम) को तत्काल कार्यान्वित किया जाए। वायु क्षेत्र से उपयुक्त दूरी पर उपयुक्त सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) संबंधी प्लांट तत्काल स्थापित किया जाए। इतना ही नहीं, बल्कि वायुसेना द्वारा अंबाला वायु सेना स्टेशन के आसपास कबूतर प्रजनन गतिविधि को निषिद्ध व नियंत्रित करने के लिए भी प्रशासन से कहा गया है। जाहिर है कि राफेल के शुभागमन मात्र से ही राफेल की जरूरत नहीं पूरी होने वाली बल्कि इसके रखरखाव की सबसे अहम जरूरत अर्थात इसकी पूर्ण सुरक्षा तथा इसके लिए निर्बाध हवाई रास्ता उपलब्ध कराना भी उतना ही जरूरी है। लिहाजा केंद्र व राज्य सरकारों को आपसी तालमेल से यथाशीघ्र इसकी सुरक्षा संबंधी सभी उपाय करने चाहिए। सभी ऊंचे टावर्स की लाल बत्ती रात के समय तत्काल जलनी चाहिए और हवाई क्षेत्र के आसपास से कूड़े के निपटान का काम व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना (एसडब्ल्यूएम) की स्थापना आदि जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए।

सम्पादकीय

लोकतांत्रिक बहस के पक्षधर थे अग्निवेश

बंधुआ मजदूरों की मुक्ति के सिपाही स्वामी अग्निवेश का शुक्रवार को देहावसान हो गया. उन्होंने जीवनभर मानव अधिकारों, सामाजिक न्याय के लिए और धार्मिक उन्माद के विरुद्ध संघर्ष किया. इसलिए वे धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों की आंखों में खटकते रहे. बहुतों को उनके आर्य समाजी परिवेश, खास तौर पर भगवावस्त्रों पर आपत्ति थी.

वे हंस कर कहते थे, ये गेरू का नहीं, अग्नि का रंग है. बहरहाल, उनके मित्रों, समर्थकों और चाहने वालों की संख्या दुश्मनों से कई गुना ज्यादा रही. वे विवादों में भी रहे, मगर उनकी आस्था हिंदू धर्म की विविधता का जीवंत उदाहरण है. दो साल पहले झारखंड के पाकुड़ में भीड़ ने हमला किया था. स्वामीजी पहाड़िया आदिवासी जनजाति समुदाय की एक रैली को संबोधित करने गये थे. स्वामीजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर बहस अवश्य होनी चाहिए. उन्होंने हमेशा आलोचकों को शास्त्रार्थ के किए ललकारा, मगर उनपर पीछे से ही वार हुए. भीड़ ने अफवाह फैलायी कि वे ईसाई धर्म के समर्थक हैं. शायद इसलिए कि स्वामीजी के मित्रों में कई जाने-माने ईसाई, मुस्लिम, जैन, पारसी आदि धर्मगुरु भी थे. यही वजह थी कि ओड़िशा के मयूरभंज में जब 2003 में कुष्ठरोग निवारण केंद्र के संचालक ऑस्ट्रेलियन क्रिस्टियन मिशनरी ग्राहम स्टेंस और उनके दो छोटे बच्चों को भीड़ ने जिंदा जला दिया था, तो स्वामीजी ने वहां सर्वधर्म सभा की थी. इस विरोध सभा की विराट सफलता बहुतों को आज भी खटकती है. एक तरह से भीड तभी से स्वामी अग्निवेश का पीछा कर रही थी. हमले के बाद भी कभी उन्हे वाइ या जेड सिक्युरिटी के लायक नहीं समझा गया. संविधान साफ तौर पर कहता है कि सत्ता में कोई भी हो, पुलिस भीड़ के साथ भेदभाव नहीं कर सकती. हमला करना, यातना देना या हत्या कानूनन अपराध है. भीड़ चाहे गाय के नाम पर जमा हुई हो या धर्म परिवर्तन के नाम पर, संविधान किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं देता, मगर स्वामी जी के संवैधानिक अधिकारों की हिफाजत नहीं हुई. पुलिस अमूमन तमाशा देखती नजर आती रही.

तुलसी सूर कबीर निराला की भाषा का ध्यान करो।
हिन्दुस्तान बचाना है तो हिन्दी का सम्मान करो।।
बचपन मे माँ हमे सुलाती लोरी गाकर हिन्दी मे।
केशव ने जो लिखी पाती वो थी पाती हिन्दी मे।।
लक्ष्मी बाई राणा ने जयघोष किया था हिन्दी मे।
रामचरित मानस तुलसी ने हमे दिया था हिन्दी मे।।
बंकिम चन्द टैगोर बनो और उठ करके जय गान करो।
हिन्दुस्तान बचाना है तो हिन्दी का सम्मान करो।।
राष्ट्र भक्ति के नाम मिले जो वो सम्मान तो हिन्दी है।
वीर शहीद हुए सीमा पर उनका नाम भी हिन्दी है।।
आजाद भगत सिंह मंगल ने बलिदान दिया वो हिन्दी है।
गांधी सुभाष और नेहरू ने जो काम किया वो हिन्दी है।।
इन वीर बबर शेरों सा उठ करके तुम भी संधान करो।
हिन्दुस्तान बचाना है तो हिन्दी का सम्मान करो।।
एक धागे मे पिरो सके जो ऐसी माला हिन्दी हो।
पीने वाला प्रभु गुन गाये वो मधुशाला हिन्दी हो।।
आतंकी घुसने न पाये ऐसा ताला हिन्दी हो।
भारत मां की आन बचाये ऐसा भाला हिन्दी हो।।
विश्व मे हिन्दी ध्वज फहराये ये दिल मे अरमान भरो।
हिन्दुस्तान बचाना है तो हिन्दी का सम्मान करो।।

कृष्ण कुमार पांडेय ज्ञानी

हिंदी भाषियों को हिंदी की परवाह नहीं

हम एक बार फिर हिंदी दिवस मनाने जा रहे हैं. सरकारी दफ्तरों में फिर हिंदी पखवाड़े के बैनर छाड़-पोंछ कर निकाले और लटकाये जायेंगे. इसके बाद उनको सहेज कर अगले साल के लिए रख दिया जायेगा. जाहिर है, इससे न तो हिंदी का भला हुआ है और न होने वाला है. इस पखवाड़े पूरे देश में हिंदी पर कार्यक्रम होंगे, लेकिन कैसे हिंदी को जन-जन की भाषा बनाना है, उस पर कोई सार्थक विमर्श नहीं होगा. मैं कहता रहा हूं कि कम-से-कम हम हिंदी पट्टी के लोगों को तो हिंदी भाषा को लेकर जागृत हो जाना ही चाहिए. सरकारी प्रयासों से तो मुझे हिंदी का भला होता नजर नहीं आता है. मेरा मानना है कि हमारे कथित हिंदी प्रेमियों और सरकारी हिंदी ने हिंदी को भारी नुकसान पहुंचाया है. आम बोलचाल की हिंदी के स्थान पर संस्कृत निष्ठ हिंदी का दुराग्रह आप करेंगे, तो आप हिंदी को ही नुकसान पहुंचायेंगे. अंग्रेजी भाषा में ऑक्सफर्ड डिक्शनरी हर साल यह घोषित करती है कि वह अंग्रेजी में विभिन्न भाषाओं से कौन-कौन से शब्द शामिल कर रही है. हिंदी के लूट से लेकर गुरु शब्द तक आज अंग्रेजी भाषा का हिस्सा हैं. इससे भाषा समृद्ध होती है, कमजोर नहीं, लेकिन एक तो हिंदी में ऐसा कोई प्रयास नजर नहीं आता है और अगर हो तो कथित हिंदी प्रेमी सोटा लेकर उसके पीछे पड़ जायेंगे.

इससे इतर, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि अगर हिंदी का ऐसा शब्द उपलब्ध है, जिससे बात स्पष्ट हो जाती है, तो बेवजह अंग्रेजी का शब्द इस्तेमाल करना उचित नहीं है. हिंदी में अद्भुत माधुर्य है. मुहावरे और लोकोक्तियां उसे और समृद्ध करते हैं. फिर भी हम अंग्रेजी का दुराग्रह पाले हुए हैं. स्थिति यह है कि हम घर-दफ्तर में हिंदी बोलते हैं, लिखते-पढ़ते हैं, मगर अपने बच्चों से हिंदी के साहित्यकारों का नाम पूछ कर देख लीजिए. मेरा दावा है कि 90 फीसदी बच्चे नहीं बता पायेंगे और जो बाकी 10 फीसदी होंगे, उनमें से अधिकांश प्रेमचंद से आगे नहीं बढ़ पायेंगे. कुछेक ही हैं, जो इस परीक्षा में खरे उतरेंगे. युवाओं से कहें कि वे अंग्रेजी के शब्दों का इस्तेमाल किये दो पैरा बिना शुद्ध हिंदी में लिख कर दिखा दें. अधिकांश इस परीक्षा में भी असफल हो जायेंगे. इसमें इनका दोष नहीं है. हमने इन्हें अपनी भाषा पर गर्व करना नहीं सिखाया है, इनका सही मार्गदर्शन नहीं किया है. मैं इसमें कुछ हद तक गुरुजनों का भी दोष मानता हूं. अभी पितृपर्व चल रहा है. हम पितरों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं. भारतेंदु हरिश्चंद्र, मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, हजारी प्रसाद द्विवेदी, उपेंद्र नाथ अश्क, धर्मवीर भारती, राजेंद्र यादव, नामवर सिंह, केदारनाथ सिंह, श्रीलाल शुक्ल, काशीनाथ सिंह जैसे हिंदी के लब्धप्रतिष्ठ पितरों ने हिंदी की विकास-यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. पितृपर्व पर हम उन्हें याद कर सकते हैं और युवाओं को यह बता सकते हैं कि जिस हिंदी भाषा में आप लिख-पढ़ रहे हैं, उसे इन पितरों ने आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है. तमिलनाडु को तो छोड़ दीजिए, वे तो हिंदी को कोसने का कोई अवसर नहीं गंवाते हैं, मगर हम हिंदीवाले भी कब अपनी भाषा पर गर्व करते हैं? हिंदी पट्टी में भी हम कहां हिंदी पर ध्यान दे रहे हैं. पिछले दिनों उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाइस्कूल और इंटर की परीक्षा में लगभग आठ लाख विद्यार्थी हिंदी में फेल हो गये थे. यूपी के आंकड़े तो हमें उपलब्ध हैं, इसलिए हम उस पर विमर्श कर पा रहे हैं.

उनमें स्तरीय साहित्य रचा जा रहा है. अगर आप बाजार अथवा मनोरंजन उद्योग को देखें, तो उन्हें हिंदी की ताकत का एहसास है. यही वजह है कि अमेजन हो या फिर फ्लिपकार्ट, दोनों की साइट हिंदी में उपलब्ध है. हॉलीवुड की लगभग सभी बड़ी फिल्में हिंदी में डब होती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं के साहित्य अथवा फिल्मों को देखें, तो गिनी-चुनी कृतियां ही हिंदी में उपलब्ध हैं. यह सच्चाई है कि प्रभु वर्ग की भाषा आज भी अंग्रेजी है और जो हिंदी भाषी हैं भी, वे अंग्रेजीदां दिखने की पुरजोर कोशिश करते नजर आते हैं. गुलामी के दौर की यह ग्रंथि आज भी देश में बरकरार है. हमें अंग्रेजी बोलने, पढ़ने-लिखने और अंग्रेजियत दिखाने में बड़प्पन नजर आता है, जबकि हिंदी भारत के लगभग 40 फीसदी लोगों की मातृभाषा है. अंग्रेजी, मंदारिन और स्पेनिश के बाद हिंदी दुनियाभर में बोली जानेवाली चौथी सबसे बड़ी

भाषा है. इसे राजभाषा का दर्जा मिला हुआ है. राजभाषा वह भाषा होती है, जिसमें सरकारी कामकाज किया जाता है, लेकिन आज भी नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी है. कोरोना काल में आपने देखा होगा कि हिंदी भाषी राज्यों में भी लॉकडाउन के सारे दिशा-निर्देश अंग्रेजी में निकलते हैं. अखबार हिंदी में न छापें, तो जनता की समझ में ही न आये कि निर्देश क्या है. कुछ समय पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय का एक आदेश तो खासा चर्चा में रहा था, जिसमें ऐसी अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया गया था, जो किसी को समझ में नहीं आयी थी. उसको समझाने के लिए मंत्रालय को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा था. बॉलीवुड को ही लें, जिसमें अधिकांश हीरो-हीरोइन रोजी-रोटी हिंदी की खाते हैं, लेकिन बातचीत में मजाल है कि कोई हिंदी में बात कर ले. एक हिंदी भाषी सुशांत सिंह राजपूत बॉलीवुड में सफल हुआ था, उसे भी भाई लोगों ने घेराबंदी कर हमसे छीन लिया. मैं अपने अनुभव की बात साझा करता हूं. मैंने दिल्ली में हिंदी इंडिया टुडे के संपादकीय विभाग में नौकरी ज्वाइन की थी. सीमित वेतन था और मैं दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में एक कमरा देख रहा था, क्योंकि कई भाई-बंधु इस इलाके में रहते थे. हर शनिवार और रविवार को क्लासीफाइड विज्ञापन की मदद से कमरा देखने निकलता था, जिसे दिल्ली की भाषा में बरसाती भी कहते हैं. मैंने पाया कि मुझे सबसे बड़ी समस्या भाषा को लेकर आ रही थी. दक्षिण दिल्ली का यह इलाका अभिजात्य वर्ग का है और हर मकान मालिक केवल अंग्रेजी में बात करता था. हम ठहरे ठेठ हिंदी भाषी और छोटे जिले से आया व्यक्ति, जिसका अंग्रेजी में हाथ तंग था. मैंने पाया कि केवल हिंदी भाषी होने के कारण मुझे कमरा किराये पर नहीं मिल पा रहा था. बाद में यूपी के एक मित्तल साहब की कृपा हुई, जिन्होंने हमें पनाह दी. यह सही है कि भारत विविधता भरा देश हैं और इसमें अनेक भाषाएं व बोलियां बोली जाती हैं और हरेक का अपना महत्व है, लेकिन पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने वाली एक भाषा का होना बेहद जरूरी है. यह बात दीगर है कि राजनीतिक कारणों से नेताओं को यह पसंद नहीं है.

महाराष्ट्र में सत्तापक्ष का आ बैल मुझे मार

सिने अभिनेत्री कंगना रनौत को मुम्बई में शिवसेना व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ अभियान चलाना इस अर्थ में महंगा पड़ा है कि बुहन्मुम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन बीएमसी) ने उनके कार्यालय को अवैध निर्माण बताकर ध्वस्त कर दिया। जब तक कंगना के वकील हाईकोर्ट से स्टे लाते, बीएमसी ने तत्परतापूर्वक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी कर ली। अलबत्ता, इसकी सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट ने इस बाबत उससे जवाब मांगा है। मामले को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो सवाल है क्या संविधान किसी सरकार को अपनी पसन्द-नापसन्द के आधार पर किसी व्यक्ति या समूह को नुकसान पहुंचाने की स्वतंत्रता या अधिकार देता है? और जवाब है- नहीं, संविधान सबके साथ समान व्यवहार की बात कहता है। इस मामले को लेकर उद्धव सरकार की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार की यह आपत्ति व्यावहारिक राजनीतिक नेता की ही ज्यादा दिखती है कि बीएमसी की यह कार्रवाई विरोधियों के षड़यन्त्र में खुद जा फंसने जैसी है। यकीनन, संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार कोई मुख्यमंत्री, उसकी सरकार या पार्टी किसी के प्रति नाराज या खुश होकर कोई ऐसा कार्य नहीं कर सकती, जो भेदभाव की सृष्टि करता हो। लेकिन राजनीति जो भी कराये और यह मामला राजनीति से कितना गहरे तक जुड़ा है, इसे यों समझ सकते हैं कि महाराष्ट्र के राज्यपाल ने भी, जो भाजपा के उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री रहे हैं, इससे जुड़े बीएमसी अधिकारियों को समन भेजकर बुलाने का प्रयत्न किया है। यह तब है, जब माना जाता है कि संवैधानिक प्रमुख होने के बावजूद जब तक निर्वाचित सरकार कार्यरत है, राज्यपाल स्वयं व्यवस्था संचालित करने का प्रयास नहीं करेंगे, क्योंकि ऐसा करना संवैधानिक व्यवस्था का स्पष्ट उल्लंघन है। संविधान के अनुसार राज्यपाल जैसे ही राज्य की व्यवस्था के संचालन के लिए मुख्यमंत्री की नियुक्ति कर देता है, उसके परामर्शों के अनुसार कार्य करने का ही अधिकारी रह जाता है। मुख्यमंत्री के किसी कार्य या व्यवहार से असंतुष्ट होने पर भी उसे अधिकारियों को तलब करने या बुलाने का अधिकार नहीं होता। तब तक, जब तक मुख्यमंत्री को हटाकर राष्ट्रपति शासन न लगा दिया जाए। फिलहाल, महाराष्ट्र में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। फिर भी कंगना मामले में राज्यपाल की दिलचस्पी का हाल यह है कि वे अनुचित रूप से अधिकारियों को तलब करने पर आमादा हैं, तो साफ है कि वह न सिर्फ सीधे राजनीति से बल्कि एक पक्ष के लाभ-हानि से भी सम्बद्ध है। राज्यपाल का यह कदम ठीक वैसे ही है, जैसे उन्होंने भाजपा नेता फड़णवीस को रातों-रात फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी थी। बाद में फड़णवीस ने स्वयं ही यह मानकर इस्तीफा दे दिया था कि न उन्हें विधानसभा में बहुमत प्राप्त, न ही वे उसे सिद्ध कर सकते हैं। बेहतर होता कि राज्यपाल समझते कि आदर्श स्थिति यह है कि राज्यपाल का विवेक किसी भी स्थिति में वैयक्तिक लाभ-हानि या स्वार्थों से जुड़ा हुआ न दिखे। जहां तक बीएमसी के अधिकारियों का सम्बन्ध है, उसे अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों व दायित्वों के प्रति भी सजग और सचेत रहना, साथ ही किसी प्रकार के भेदभाव या पार्टीबन्दी से विलग रहना चाहिए। क्योंकि वे उस पार्टी की अनुचित अपेक्षाएं पूरी करने के अधिकारी नहीं हैं, जिसका बीएमसी में बहुमत हो। कंगना रनौत के कार्यालय के निर्माण में कोई अनियमितता हुई हो तो उन्हें उस पर कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसके लिए अपने विवेक के अधिकार का दुरुपयोग करने का नहीं। ऐसा कोई भी दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए अशुभ व अनुचित है और इस अशुभ व अनुचित्य की गम्भीरता तब और बढ़ जाती है, जब शरद पवार जैसे मुख्यमंत्री के वरिष्ठ सहयोगी नेता भी उसकी टाइमिंग पर सवाल उठा रहे और उसे चुनौती दे रहे हों। पवार न सिर्फ महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन की दूसरी सबसे बड़ी घटक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो हैं बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री और कई बार केन्द्रीय मंत्री भी रहे हैं। महाराष्ट्र में इस बार शिवसेना या उद्धव ठाकरे की राजनीतिक अपेक्षाओं की पूर्ति पवार की पार्टी के विधायकों के बगैर संभव नहीं थी। पवार उद्धव ठाकरे से बेहतर जानते हैं कि पद और समर्थन किसी भी सरकार को अनुचित निर्णय लेने और राजनीतिक बदले के लिए अपने पद का दुरूपयोग करने का अधिकार नहीं देते। इतना ही नहीं, जिसे अलोकतांत्रिक या अनुचित कहा जाता हो, ऐसे कदम उठाये जाने के आरोप प्रायरू सत्ता के विपरीत ही जाते हैं। कंगना के कार्यालय का निर्माण अवैध था और बीएमसी ने उसकी स्वीकृति नहीं दी थी, तब भी उसे ऐन उसी दिन ढहाने का कोई तुक नहीं था, सत्ता दल से तनातनी और मीडिया हाइप के बीच जिस दिन वे मुम्बई आ रही थीं। क्योंकि बीएमसी अवैध निर्माणों को ढहाने का कोई अभियान नहीं चला रही थी। जिस पर राज्य में 30 सितम्बर तक ऐसी किसी तोड़-फोड़ पर रोक भी थी। ऐसे में इससे सम्बन्धित किसी भी निर्णय से व्यक्तिकेन्द्रित होने के बजाय नियमकेन्द्रित होने की अपेक्षा की जाती थी। बीएमसी ने यह अपेक्षा पूरी न करके ध्वस्तीकरण को इस उद्देश्य से तुरत-फुरत अंजाम दिया ताकि मामला न्यायालय में जाए तो उसके साथ यह संदेश भी जाए कि आवश्यक करार देकर ध्वस्तीकरण के आदेश पर अमल किया जा चुका है। लेकिन न्यायालय को अभी भी अपने विवेक के अनुसार उचित-अनुचित का निर्णय करने का अधिकार है और राज्य से लेकर केन्द्र सरकार तक उसके निर्णयों को मानने के लिए विधिवत मजबूर भी हैं। इस सिलसिले में कोई भी विपरीत आदेश शिवसेना और उद्धव सरकार की परेशानियां बढ़ाने वाला ही सिद्ध होगा। वैसे भी जल्दबाजी में किये गये इस ध्वंस को उचित नहीं ठहराया जा सकता। शरद पवार ठीक ही कह रहे हैं कि इस ध्वस्तीकरण से कंगना को गैरजरूरी प्रचार मिला और वे खुद को पीड़ित बताकर जन सहानुभूति अर्जित करने में सफल रहीं। ऐसी सहानुभूति हमेशा सरकारों व सत्ता दलों के खिलाफही जाती है। जब इससे जुड़ा प्रश्न सीधे आन्दोलन से जुड़ जाए, तब तो और भी। साफकहें तो लगता यही है कि उद्धव सरकार भाजपा द्वारा बिछाये जाल में फंस गई है। उसने जिस तरह अहंकार प्रदर्शन में अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है, उसके मद्देनजर उच्च न्यायालय का निर्णय भी उसके पक्ष में आने की उम्मीद नहीं है। न्यायालय किसी भी दृष्टि से जल्दबाजी में किये गये इस ध्वस्तीकरण का समर्थन नहीं कर सकता और इस बाबत उसकी टिप्पणियां विरोधी राजनीतिक नेताओं को कहीं ज्यादा लाभकारी दिखेंगी। शरद पवार की सलाह भी उद्धव सरकार या बीएमसी के रवैये का समर्थन करने वाली नहीं ही है। अब विपरीत प्रभावों के अंदेशे में उद्धव सरकार या शिवसेना अपनी समझ दुरुस्त करती हैं तो वह भी उनके विपरीत ही जायेगी। माना यही जायेगा कि पहले जो किया वह ईर्ष्या, द्वेष और राजनीतिक बदले की भावना पर आधारित था। साथ ही भेदभावकारी, भय, दण्ड और चेतावनी का सृजन करने वाला और राज्य द्वारा आदर्श के रूप में स्वीकार किये गये लोकतंत्र व संविधान की मूल भावना का विरोधी भी। इस मामले का न्यायिक समापन जब भी और जैसे भी हो, अभी यह दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से राजनीतिक लाभ के लिए ही इस्तेमाल होता दिख रहा है।

सार समाचार .....

फ्रांस के टेनिस प्लेयर बेनुआ पेर का टेस्ट पॉजिटिव

नई दिल्ली टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन आज से न्यूयॉर्क में शुरू होने जा रहा है, लेकिन उससे पहले ही टूर्नामेंट पर फिर कोरोना संकट मंडराने लगा। फ्रांस के स्टार प्लेयर बेनुआ पेर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। वे टूर्नामेंट से हट गए हैं। यूएस ओपन में कोरोना का यह पहला मामला है। यह टूर्नामेंट कोरोना के कारण बायो-सिक्योर माहौल में बगैर दर्शकों के कराया जा रहा है। इससे पहले सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और दूसरे 19 ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल समेत कई दिग्गज टूर्नामेंट से नाम वापस ले चुके हैं। ऐसा 21 साल में पहली बार होगा, जब यह दोनों दिग्गज टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।

इसी महीने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था

बेनुआ पेर को यूएस ओपन में 17वीं सीड मिली है। वे पिछले हफ्ते ही न्यूयॉर्क आए हैं। इससे पहले उन्होंने इसी महीने वॉशिंगटन में वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था। तबीयत खराब होने के बाद वे अपने देश लौट गए थे। इसके बाद फ्रांस स्पोर्ट्स वेबसाइट ने बताया कि उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। फिलहाल, वे सेल्फ आइसोलेशन में हैं।

साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम होगा यूएस ओपन

यूएस ओपन इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम है, जो शुरू होने जा रहा है। इससे पहले जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन हो चुका है, जबकि विंबलडन दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद पहली बार रद्द हो चुका है। वहीं, 21 सितंबर से फ्रैंच ओपन खेला जाएगा।

वुमन्स और मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नहीं खेलेंगे

कोरोना के कारण मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नडाल और वुमन्स में कनाडा की बियांका एंड्रेस्कू टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। बियांका ने पिछली बार फाइनल में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। वहीं, नडाल ने रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर चौथी बार खिताब जीता था।

वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-8 की 6 महिला खिलाड़ी भी नहीं खेलेंगी

वहीं, वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-2 महिला खिलाड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर-1 एश्ले बार्टी, रोमानिया की वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप, नंबर-5 एलिना स्वितोलिना, नंबर-6 बियांका एंड्रेस्कू, नंबर-7 किकि बेर्टेंस और नंबर-8 बेलिंडा बेंसिस।

आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन का यह खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में

दिल्ली × आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में हैं। निकोलस पूरन ने कैरेबियाई प्रीमियर लीग में अपने टी-20 करियर का पहला शतक जमाया है, जिससे गयाना अमेजॉन वारियर्स ने खराब शुरुआत से उबरकर टूर्नामेंट में सेंट कीट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 21 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराया। वॉरियर्स ने 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट 25 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद निकोलस पूरन ने 45 गेंदों पर चार चौकों और दस छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए. उन्होंने रोस टेलर (27 गेंदों पर नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 11.5 ओवर में 128 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वॉरियर्स 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले पैट्रियट्स से पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जोशुआ डी सिल्वा के 59 रन और दिनेश रामदीन के नाबाद 37 रन की मदद से पांच विकेट पर 150 रन बनाए थे। वॉरियर्स की सात मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि पैट्रियट्स को छठी हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में सेंट लूसिया जॉक्स ने अपने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करके बारबाडोस ट्रिडेंट्स को तीन रन से हराया। जॉक्स की यह सात मैचों में पांचवीं जीत है। बारबाडोस ने टॉस जीतकर सेंट लूसिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और उसकी टीम को 18 ओवर में 92 रन पर आउट कर दिया। सेंट लूसिया की तरफ से तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। बारबाडोस के लिए हेडन वाल्श ने तीन और रेमन रीफर ने दो विकेट लिए। बारबाडोस के सामने छोटा लक्ष्य था, लेकिन उसकी टीम सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 39 रन के बावजूद निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 89 रन ही बना पाई।

पाकिस्तानी दिग्गज ने कहा- आलोचना के बजाय बाबर आजम को करना चाहिए प्रेरित

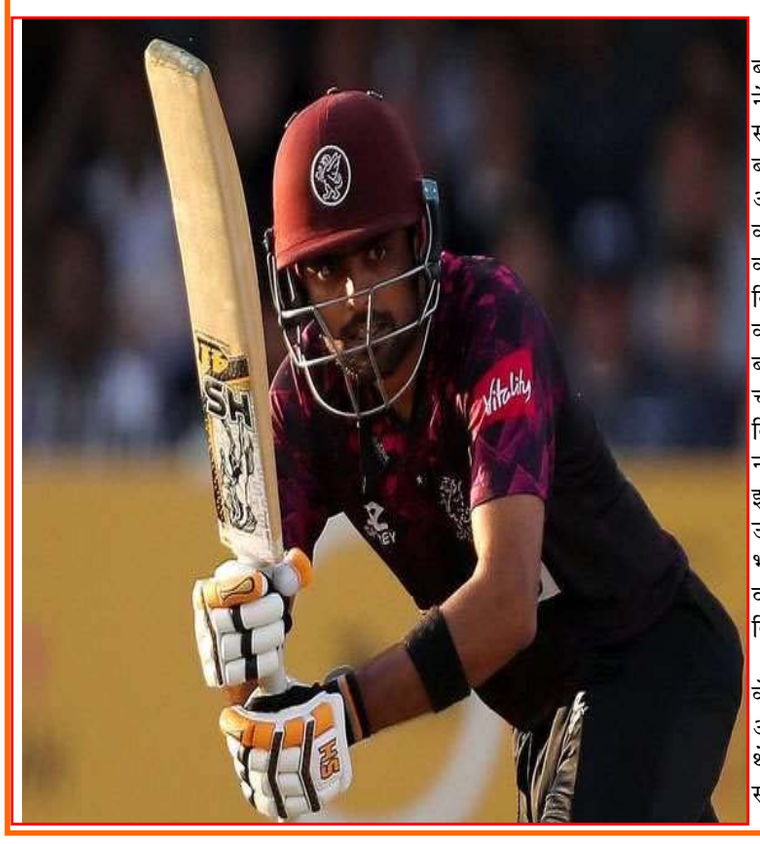

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाज कामरान अकमल ने पाकिस्तान टीम के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम की आलोचना करने वाले लोगों को आड़े हाथों लिया है। कामरान अकमल ने कहा है कि लोगों को बाबर आजम की आलोचना करने के बजाए उनको प्रेरित करना चाहिए। बाबर आजम के लिए हालिया फॉर्म अच्छी नहीं है। यहां तक कि टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी नंबर वन की कुर्सी भी छिन गई है, जिस पर वह लंबे समय से विराजमान थे।

गौरतलब है कि इंग्लैंड के हालिया दौरे पर बाबर आजम फॉर्म में नहीं दिखे थे और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 69 रन ही बना सके थे। वहीं, दो टी20 मैचों में उन्होंने सिर्फ 56 रन ही बनाए थे। कामरान अकमल ने पाकिस्तान मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा है, ÷यह बुरी बात है कि लोग हमारे नंबर वन बल्लेबाज की आलोचना कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि बाबर आजम ज्यादा तेज गति से रन नहीं बना रहे हैं और मैच नहीं जिता रहे हैं। उन्होंने इस इंटरव्यू में आगे कहा है, ÷हमें क्या हो गया है? अगर हम सुधार करना चाहते हैं तो हमें उन्हें निराश करने के बजाय अपनी ऊर्जा उन्हें प्रेरित करने में लगानी चाहिए। मुझे एक बार फिर लगता है कि टीम प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ियों का अच्छे से ध्यान रखा जाए और अपने चुनिंदा खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाए सभी को देखा जाए और उन्हें आत्मविश्वास दिया जाए।

श्रीसंत का बैन हुआ खत्म, 7 साल के बाद अब मैदान पर दिखेगा 37 साल का ये तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का 7 साल का बैन रविवार को खत्म हो गया। श्रीसंत पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप के मामले में लाइफ टाइम बैन लगाया गया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसे घटाकर इसे 7 साल का कर दिया था। 37 साल के तेज गेंदबाज श्रीसंत ये साफ कर चुके हैं कि बैन के बाद वो घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे तो वहीं उनकी होम टीम केरल की तरफ से भी ये कहा जा चुका है कि अगर वो अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो वो उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार करेंगे। वहीं बैन खत्म होने के बाद श्रीसंत ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। बैन खत्म होने से पहले यानी शुक्रवार को श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि, मैं हर तरह के चार्ज से पूरी तरह से फ्री हो जाउंगा और उस खेल का प्रतिनिधित्व फिर से करूंगा जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मैं हर एक गेंद पर अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा। उन्होंने आगे लिखा था कि मैं इस खेल को 5-7 साल और दे सकता हूं और जिस भी टीम की तरफ से खेलूंगा अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। आपको बता दें कि श्रीसंत पर 2013 आइपीएल सीजन के दौरान फिक्सिंग के आरोप लगे थे और उसके बाद उन पर लाइफ टाइम बैन लगाया गया था। साल 2013 में श्रीसंत के अलावा अजीत चंडीला और अंकित चौहान पर भी बैन लगाया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 मार्च को बीसीसीआइ की अनुशासन कमेटी के आदेश को रद कर दिया था और बोर्ड को सजा की अवधि कम करने पर विचार करने को कहा था। श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 87, वनडे में 75 जबकि टी20 क्रिकेट में 7 विकेट उनके नाम पर है। श्रीसंत एक आक्रामक तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं और उनके सेलीब्रेशन का अंदाज सबसे अलग था, लेकिन बैन के बाद इन सब पर ब्रेक लग गया था। श्रीसंत अब घरेलू क्रिकेट के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं, लेकिन इस वक्त कोविड 19 महामारी की वजह से भारत का घरेलू क्रिकेट बंद है ऐसे में उन्हें वापसी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है।

एमएस धोनी को अपनी बेस्ट आईपीएल इलेवन में ब्रैड हॉग ने नहीं किया शामिल, विराट व रोहित को नहीं बनाया कप्तान

इंडियन प्रीमियर लीग के सफलतम कप्तानों में से एक नाम का भी है। उनकी अगुआई में सीएसके ने 8 फाइनल खेले हैं और तीन बार विजेता रही है। ये टीम हर बार प्लेऑफ में पहुंची है और धौनी इस टीम के लिए कितने अहम हैं ये सबको पता है, लेकिन ब्रैड हॉग की नजर में धौनी उनकी बेस्ट आइपीएल प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लायक भी नहीं है। ब्रैड हॉग ने आइपीएल 2020 के लिए अपने फेवरेट प्लेइंग इलेवन का चयन किया और एम एस को अपनी टीम में जगह नहीं दी। आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स व राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हॉग ने अपनी प्लेइंग इलेवन का कप्तान केन विलियमसन को बनाया। केन विलियमसन ने पिछले दो सीजन में हैदराबाद टीम की कप्तानी की थी, लेकिन इस बार इस टीम की कमान डेविड वॉर्नर के हाथों में सौंप दी गई। हॉग ने अपनी टीम में ओपनर के तौर पर डेविड वार्नर को रोहित शर्मा के साथ चुना। ये दोनों बल्लेबाज अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए खूब जाने जाते हैं तो वहीं ब्रैड ने टीम में विराट कोहली को तीसरे स्थान के लिए चुना। विराट कोहली अपनी शानदार निरंतरता के लिए जाने जाते हैं। ब्रैड हॉग ने अपने प्लेइंग इलेवन में चौथे स्थान पर केन विलियमसन को रखा है और इन्हें टीम का कप्तान भी बनाया है। उन्होंने अपनी टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर ऋ को नहीं बल्कि ऋषभ पंत को शामिल किया। इसके बाद उन्होंने टीम में तीन ऑलराउंडर आंद्रे रसेल, रवींद्र जडेजा व सुनील नरेन को शामिल किया। ये तीनों गेंदबाजी के साथ-साथ बेहतरीन बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। वहीं विशुद्ध स्पिनर के तौर पर उन्होंने युजवेंद्रा चहल को टीम में शामिल किया। चहल के साथ-साथ स्पिन की जिम्मेदारी जडेजा व नरेन भी उनकी टीम में निभा सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम में तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह व भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया है।

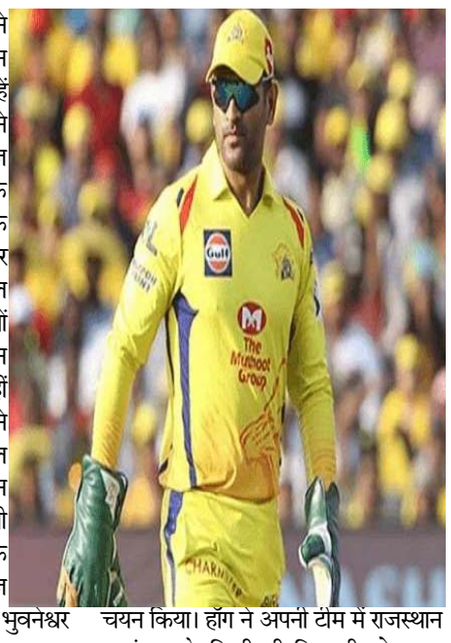

ब्रैड हॉग ने अपनी आइपीएल इलेवन में तीन खिलाड़ी सनराइजर्स हैदाराबाद से, दो-दो खिलाड़ी मुंबई इंडियंस, केकेआर व आरसीबी से, वहीं उन्होंने सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स से एक-एक खिलाड़ी का चयन किया। हॉग ने अपनी टीम में राजस्थान व पंजाब के किसी भी खिलाड़ी को जगह नहीं दी। डेविड वार्नर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केन विलियमसन (कप्तान), रिषभ पंत (विकेटकीपर), आंद्रे रसेल, रवींद्र जडेजा, सुनील नरेन, युजवेंद्रा चहल, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह।

श्रीसंत का बैन हुआ खत्म, 7 साल के बाद अब मैदान पर दिखेगा 37 साल का ये तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का 7 साल का बैन रविवार को खत्म हो गया। श्रीसंत पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप के मामले में लाइफ टाइम बैन लगाया गया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसे घटाकर इसे 7 साल का कर दिया था। 37 साल के तेज गेंदबाज श्रीसंत ये साफ कर चुके हैं कि बैन के बाद वो घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे तो वहीं उनकी होम टीम केरल की तरफ से भी ये कहा जा चुका है कि अगर वो अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो वो उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार करेंगे। वहीं बैन खत्म होने के बाद श्रीसंत ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। बैन खत्म होने से पहले यानी शुक्रवार को श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि, मैं हर तरह के चार्ज से पूरी तरह से फ्री हो जाउंगा और उस खेल का प्रतिनिधित्व फिर से करूंगा जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मैं हर एक गेंद पर अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा। उन्होंने आगे लिखा था कि मैं इस खेल को 5-7 साल और दे सकता हूं और जिस भी टीम की तरफ से खेलूंगा अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। आपको बता दें कि श्रीसंत पर 2013 आइपीएल सीजन के दौरान फिक्सिंग के आरोप लगे थे और उसके बाद उन पर लाइफ टाइम बैन लगाया गया था। साल 2013 में श्रीसंत के अलावा अजीत चंडीला और अंकित चौहान पर भी बैन लगाया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 मार्च को बीसीसीआइ की अनुशासन कमेटी के आदेश को रद कर दिया था और बोर्ड को सजा की अवधि कम करने पर विचार करने को कहा था। श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी 20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 87, वनडे में 75 जबकि टी20 क्रिकेट में 7 विकेट उनके नाम पर है। श्रीसंत एक आक्रामक तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते हैं और उनके सेलीब्रेशन का अंदाज सबसे अलग था, लेकिन बैन के बाद इन सब पर ब्रेक लग गया था। श्रीसंत अब घरेलू क्रिकेट के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं, लेकिन इस वक्त कोविड 19 महामारी की वजह से भारत का घरेलू क्रिकेट बंद है ऐसे में उन्हें वापसी के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। वैसे ये भी देखना दिलचस्प होगा कि केरल की टीम में उन्हें मौका मिलता है या नहीं। हालांकि घरेलू सीजन की शुरुआत अगस्त से होनी थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और अब बोर्ड भी स्थिति के संभलने का इंतजार कर रही है। वैसे एक बात तो तय है कि क्रिकेट में वापसी के बाद श्रीसंत अपनी बिगड़ी छवि को सुधारने की पूरी कोशिश करेंगे।

आईपीएल 2020 के सबसे महंगे 15 खिलाड़ी, इन भारतीय दिग्गजों को मिलेगी सबसे ज्यादा रकम

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (श्च) में इंडिया के त्योहार यानी इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 2020 के सीजन की शुरुआत 19 सितंबर से होने जा रही है। ढ्ढक्क 2020 का खिताब जीतने के लिए लिए सभी टीमें जमकर प्रैक्टिस कर रही हैं। आइपीएल की 8 टीमें एक ट्रॉफी और 10 करोड़ रुपये की इनामी राशि के लिए एक-दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आइपीएल के इस सीजन में 15 ऐसे खिलाड़ी हैं, जो 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की सैलरी लेने वाले हैं।दरअसल, आइपीएल 2020 के लिए रिटेन किए गए और ऑक्शन में बड़ी बोली हासिल करने वाले खिलाड़ियों को मिलाया जाए तो ऐसे 15 खिलाड़ी इस बार आइपीएल में उतरने वाले हैं, जो 10 करोड़ रुपये या फिर इससे ज्यादा की रकम इस सीजन के लिए पाने वाले हैं। हालांकि, ये लिस्ट 15 नहीं, बल्कि 16 खिलाड़ियों की थी, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज सुरेश रैना भी शामिल थे। 11 करोड़ रुपये में ढ्ढक्क 2020 के लिए रिटेन किए गए सुरेश रैना ने टूर्नामेंट के इस सीजन

में नहीं खेलना का फैसला किया है।आइपीएल 2020 में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले 15 खिलाड़ियों में 7 खिलाड़ी भारत के हैं, जबकि 8 खिलाड़ी अन्य देशों के शामिल हैं। टॉप 15 में भारत के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का नाम है, जिसके 4 खिलाड़ियों को 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के लिए मिलने वाली है। इस लिस्ट में दो खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के हैं, जबकि एक-एक खिलाड़ी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम का शामिल है।ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और ग्लेन मैक्सवेल को आइपीएल 2020 के लिए 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम मिलेगी, जबकि साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और क्रिस मॉरिस इस सीजन के लिए 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा सैलरी के तौर पर पाएंगे। वहीं, वेस्टइंडीज के सुनील नरेन भी 10 करोड़ रुपये से ज्यादा केकेआर से पाने वाले हैं। इसके अलावा बेन स्टोक्स भी मोटी रकम आइपीएल 2020 में पाने वाले हैं।भारतीय टीम की बात करें तो आइपीएल 2020 के लिए सबसे ज्यादा सैलरी पाने वालों की लिस्ट में विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धौनी, रिषभ पंत, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या और मनीष पांडे का नाम शामिल है। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली सबसे ज्यादा सैलरी (17 करोड़ रुपये) 2020 के सीजन के लिए पाएंगे, जबकि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कंगारू गेंदबाज पैट कमिंस का नाम शामिल है, जिनको केकेआर ने साढ़े 15 करोड़ रुपये में खरीदा है।

श्रीलंका दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम का ऐलान, इन 27 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत बांग्लादेश और श्रीलंकाई टीम के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है, जिसकी शुरुआत अक्टूबर में होनी है। इसी टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश के 27 खिलाड़ी श्रीलंका के दौरे पर जाएंगे। हालांकि, बाद में इस टीम को छोटा कर दिया जाएगा। फिलहाल दोनों देशों के बीच क्वारंटाइन के समय को लेकर बातचीत चल रही है।बांग्लादेश टीम के मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेदिन ने एक क्रिकेट वेबसाइट से बात करते हुए कहा, ÷हां, महमदुल्लाह को 27 सदस्यीय संभावित दल में शामिल कर लिया है, जो सरकार की अनुमति मिलने के बाद श्रीलंकाई दौरे पर जाएगा।÷ उन्होंने कहा है, ÷यह सिर्फ एक प्रारंभिक टीम है और हम इन सभी खिलाड़ियों के लिए वीजा पर काम कर रहे हैं, लेकिन जब हम दौरे से पहले आवासीय कैंप के लिए होटल में पहुंचेंगे तो इसमें सिर्फ 20 क्रिकेटर शामिल होंगे।मुख्य चयनकर्ता ने कहा है, ÷हम सभी को प्रारंभिक टीम में रख रहे हैं, क्योंकि हमें कुछ खिलाड़ियों को स्टैंड-बाय पर रखना होगा। वर्तमान कोरोना स्थिति को देखते हुए स्टैंड-बाय बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए हमने सात खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखने का फैसला किया। हमने प्रारंभिक टीम में नौ तेज गेंदबाज चुने हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम सभी को फाइनल 20 में चुन लेंगे। हम 20 सदस्यीय टीम में 6 गेंदबाजों के साथ श्रीलंका का दौरा करेंगे। वहीं, श्रीलंका जाने के बाद 17 सदस्यीय टेस्ट टीम का चयन करेंगे और हम अन्य तीन क्रिकेटरों को ढाका वापस भेज देंगे।हालांकि, श्रीलंका का बांग्लादेश दौरा अभी भी संदिग्ध बना हुआ है, जिसे कोरोना वायरस महामारी के कारण पहले स्थगित कर दिया था। अभी भी आधिकारिक तौर पर सीरीज का शेड्यूल जारी नहीं किया है, जबकि बायो-सिक्योर बबल पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है। वर्तमान की बात करें तो बांग्लादेश को 27 सितंबर को श्रीलंका के दौरे पर जाना है, जहां कैंडी में 24 अक्टूबर से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने वाली है। इससे पहले बांग्लादेश की टीम क्वारंटाइन में रहने के बाद प्रैक्टिस शुरू करेगी। मोमिनुल हक (कप्तान) तमीम इकबाल, सादमान इस्लाम, सैफ हसन, इमरुल कायस, सौम्य सरकार, मुशफिकुर रहीम, मोहम्मद मिथुन, लिटन दास, नजमुल हसन मंटो, मोसादेक हुसैन, महमदुल्लाह, यासिर अली, नुरुल हसन, मेहदी हसन मिराज, तइजुल इस्लाम, संजामुल इस्लाम, नईम हसन, मुस्तफिजुर रहमान, रुबेल हुसैन, शफिउल इस्लाम, तस्किन अहमद, अल अमीन हुसैन, सैफुद्दीन, इबादत हुसैन, अबु जाएद और हसन महमूद।

वो करिश्माई गेंदबाज जिसने डाली सदी की सबसे बेहतरीन गेंद

नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलियाई टीम के महान स्पिनर शेन वार्न आज (13 सितंबर 2020) अपना 51वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। शेन वार्न को महान गेंदबाज का दर्जा दिया जाता है, क्योंकि उन्होंने महान काम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शेन वार्न सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लेकर उन्होंने इतिहास रचा है। शेन वार्न को सदी की सबसे बेहतरीन गेंद डालने के लिए भी जाना जाता है।विक्टोरिया में जन्मे शेन वार्न ने ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्ल्ड कप जीत में भी अहम योगदान अदा किया हुआ है। इसके अलावा शेन वार्न ढ्ढक्क के आगाज सत्र की चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान भी थे। ढ्ढक्क 2008 के फाइनल में राजस्थान की टीम ने एमएस धौनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को 3 विकेट से हराया था। उस सत्र में शेन वार्न ने राजस्थान के लिए कुल 15 मैच खेले थे और इन 15 मैचों में उन्होंने 19 विकेट हासिल किए थे। आखिरी गेंद तक चले मुकाबले में राजस्थान को खिताबी जीत मिली थी।ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर शेन कीथ वार्न के क्रिकेट के आंकड़ों की बात करने से पहले हम उनके द्वारा फेंकी गई सदी की सबसे बेहतरीन गेंद यानी बॉल ऑफ द सेंचुरी की बात करेंगे। वार्न ने मैदान पर अपना ऐसा जादू बिखेरा था, जिसकी दुनिया आज भी कायल है। 1993 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान

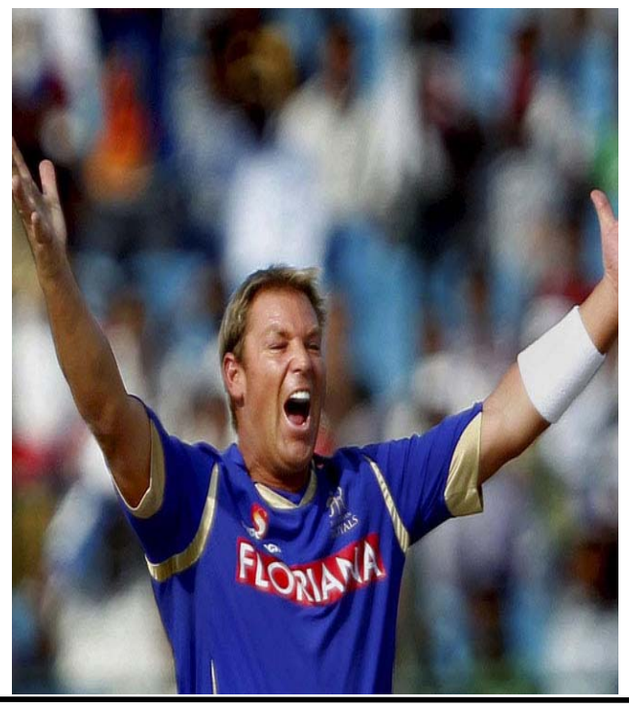

उन्होंने एक ऐसी गेंद फेंकी थी, जिसको अगर आज भी देखा जाए तो आप उसे असाधारण तो कहेंगे ही साथ ही साथ आप उसे किसी चमत्कार से कम नहीं बताएंगे, क्योंकि आमतौर पर क्रिकेट में ऐसा देखा नहीं जाता।1993 की एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में मैनचेस्टर के मैदान पर मार्क टेलर की सेंचुरी ने सुर्खियां बटोरीं, लेकिन इंग्लैंडके स्पिनर पीटर सच ने 67 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे और ऑस्ट्रेलिया को 289 रन पर रोक दिया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन पहला विकेट माइक अथॉर्टन के रूप में गिरा तो कंगारू कप्तान ने गेंद लेग स्पिनर शेन वार्न को थमा दी। उधर, इंग्लैंड के कप्तान ग्राहम गूच ने माइक गेटिंग के साथ पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया, लेकिन इस बीच एक जादू देखने को मिला। दरअसल, 4 रन पर बल्लेबाजी कर रहे माइक गेटिंग को शेन वार्न ने एक ऐसी गेंद डाली, जिसे वो जब तक समझ पाते तब तक उनके ऑफ स्टंप्स का बेल उड़ गया था। वार्न की इसी गेंद को बॉल ऑफ द सेंचुरी कहा गया था, क्योंकि वार्न ने गेंद को लेग स्टंप्स के काफी बाहर पिच कराया था और गेंद ने इतना टर्न लिया कि माइक गेटिंग के ऑफ स्टंप्स को जा टकराई। इसे देखकर हर कोई हैरान था। माइक गेटिंग से लेकर इंग्लिश कैप्टन ग्राहम कोच, फील्ड अंपायर और फील्डिंग कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम का हर खिलाड़ी इससे हैरान था।

अक्षय कुमार ने पहले मांगी माफ़ी, फिर फैंस को कहा- शुक्रिया, जानें पूरा माजरा

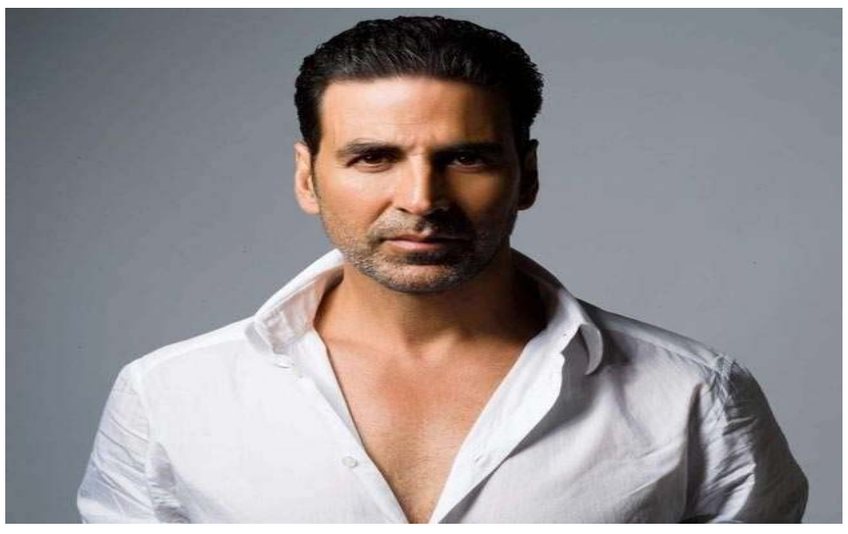

नई दिल्ली। अक्षय कुमार इस वक्त स्कॉटलैंड में अपनी फ़िल्म %बेल बॉटम% की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस व्यस्त टाइम में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में पहले उन्होंने अपने अपने फैंस से माफी मांगी। इसके बाद फैंस को तहे-दिल से शुक्रिया भी कहा। /यह वीडियो अक्षय कुमार के जन्मदिन से संबंधित है।दरअसल, इस वीडियो के जरिए अक्षय कुमार ने अपने फैंस को जन्मदिन पर किए गए कामों के लिए शुक्रिया कहा। उन्होंने वीडियो में कहा- %सबसे पहले मैं चाहूंगा कि आपसे माफ़ी मांगू कि तीन दिन बाद रिप्लाई कर रहा हूं। लेकिन जैसा आप लोग जानते हैं कि मैं इस वक्त स्कॉटलैंड में हूं और बेल बॉटम की शूटिंग कर रहा हूं। इस बीच मेरा बर्थडे आ गया। परिवार के साथ अच्छा समय मिल गया। इसके साथ में मिला आप सबका ढेर सारा प्यार। मैं अपने सारे अंक्वीएंश को तहे-दिल शुक्रिया कहना चाहता हूं। इस साल ऐसे समय में भी आपने मेरा जन्मदिन मनाया। मैं पढ़ रहा था, देख रहा था कि कोई फैन क्लब ने अनाज़ बांटा। किसी ने पेड़ उगाया। किसी ने ब्लड डोनेशन किया। मेरे एक फैन हैं रमेश जी, जो वर्षों से नंगे पैर घूम रहे हैं। मैं रमेश जी आपसे दरख्वास करूंगा कि आप चप्पल पहन लीजिए। नंगे पैर मत घूमिए। कोरोना का समय है, आपके परिवार पर असर पड़ सकता है। कभी राजस्थान आया, तो आपसे मुलाकात होगी। एक बार आप सबका बहुत बहुत धन्यावाद। जैसे मैं कहता हूं- आप हैं, तो मैं हूं।आपको बता दें कि अक्षय कुमार ने अपना जन्मदिन 9 सितंबर को मनाया है। इस दिन उन्होंने अपने फैंस के लिए एक तोहफा भी दिया। उन्होंने बेल बॉटम फ़िल्म का एक पोस्टर जारी किया था। इस पोस्टर में अक्षय कुमार काफी रेट्रो लुक में नज़र आ रहे हैं। फ़िल्म की बात करें, तो अक्षय कुमार इसमें रॉ एजेंट की भूमिका में है। फ़िल्म साल 2021 में रिलीज़ हो सकती है।

पुलिस वर्दी में सेट पर दिखे रणबीर कपूर, देखें- यूनिफॉर्म में कैसे लग रहे एक्टर?

नई दिल्ली। फिल्म सेलेब्स भी लॉकडाउन में लंबे समय तक आराम करने के बाद अब काम पर लौट रहे हैं। एक्टर्स धीरे-धीरे फिल्म सेट पर नज़र आ रहे हैं। अब एक्टर रणबीर कपूर की भी फिल्म सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो बताती हैं कि एक्टर ने भी अपना काम शुरू कर दिया। एक्टर पुलिस ऑफिसर की ड्रेस में नज़र आ रहे हैं। एक्ट्रेस सेट पर पुलिस की गाड़ी के पास खड़े नज़र आ रहे हैं और वर्दी में दिख रहे हैं।रणबीर कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर हो रही हैं। एक्टर खुद सोशल मीडिया पर नहीं है, ऐसे में एक्टर के कई फैन पेज हैं, जिन पर ये तस्वीरें शेयर की जा रही हैं। दो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं, जिसमें एक फोटो में रणबीर कपूर पुलिस की गाड़ी के पास खड़े दिख रहे हैं, वहीं दूसरी फोटो में कुर्सी पर बैठे हैं। हालांकि, सेट पर कोई भी मास्क के साथ नज़र आ रहे हैं।एक्टर अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नज़र आने वाले हैं, जिसमें रणबीर के साथ अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट भी नज़र आने वाले हैं। अब एक्टर की इन फोटो को उनके फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर हुईं तस्वीरों पर लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं और रणवीर कपूर के लिए प्यार भेज रहे हैं। साथ ही एक्टर हाल ही के दिनों में डबिंग स्टूडियो में नज़र आए थे, जो बताता है कि एक्टर अब पूरी तरह से काम में लग गए हैं।वहीं, दीपिका पादुकोण अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए मुंबई से गोवा के लिए रवाना हो गई हैं, जहां उन्हें शकुन बत्रा की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग करनी है। फिल्म के कुछ सीन गोवा में शूट किए जाने हैं और इस फिल्म में दीपिका के साथ अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी नज़र आने वाले हैं। इस दौरान एक्ट्रेस बॉटल ग्रीन ड्रेस पहने नज़र आईं और उन्होंने मास्क लगा रखा था।

जल्द साथ दिखेंगे शाहरुख-दीपिका? इस निर्देशक की फिल्म में आएंगे नज़र

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। खबरें तो करीब एक साल से आ रही है कि एक्टर ने फिल्म साइन कर ली है और जल्द ही वो बड़े पर्दे नज़र आने वाले हैं। हालांकि, अभी उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक और पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। अब खबर आ रही है कि एक्टर अब जल्द ही तमिल डायरेक्टर के किसी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाले हैं और खास बात ये है कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हो सकती हैं।अगर इस फिल्म पर मुहर लगती है तो शाहरुख और दीपिका पादुकोण चौथी बार एक साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते नज़र आएंगे। एक्टर और एक्ट्रेस पहले भी तीन बार फिल्म ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैपी न्यू ईयर में साथ नज़र आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि दोनों तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म साइन कर सकते हैं। यह एटली के लिए बॉलीवुड डेब्यू होगा, जिसमें शाहरुख और दीपिका नज़र आएंगे। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी जानकारी सामने नहीं आई है।रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जिस फिल्म के लिए साथ आए हैं, उसका नाम %सनकी% रखा गया है। दीपिका पादुकोण की फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई है। अब देखना है कि फिल्म कब तक फ्लोर पर आ पाती है। बताया जा रहा है कि एक्टर एक साथ 4 फिल्मों का ऐलान करने वाले हैं, जिसमें यह फिल्म भी शामिल हो सकती है। इसके अलावा एक्टर के राजकुमार हिरानी के साथ भी फिल्म करने की भी खबर आ रही है।अगर दोनों स्टार्स के वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान आखिरी बार 2018 में फिल्म जीरो में नज़र आए थे और अब इसके बाद उनकी फिल्म का इंतजार है। वहीं, दीपिका पादुकोण की बात करें तो दीपिका पादुकोण डायरेक्टर शकुन बत्रा की फिल्म शूटिंग के लिए गोवा गई हैं। इसके अलावा वह प्रभास के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। आखिरी बार एक्ट्रेस फिल्म छपाक में नज़र आई थीं।

अब खबर आ रही है कि एक्टर अब जल्द ही तमिल डायरेक्टर के किसी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाले हैं और खास बात ये है कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हो सकती हैं।अगर इस फिल्म पर मुहर लगती है तो शाहरुख और दीपिका पादुकोण चौथी बार एक साथ बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते नज़र आएंगे। एक्टर और एक्ट्रेस पहले भी तीन बार फिल्म ओम शांति ओम, चेन्नई एक्सप्रेस और हैपी न्यू ईयर में साथ नज़र आ चुके हैं। बताया जा रहा है कि दोनों तमिल डायरेक्टर एटली कुमार की फिल्म साइन कर सकते हैं। यह एटली के लिए बॉलीवुड डेब्यू होगा, जिसमें शाहरुख और दीपिका नज़र आएंगे।

अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया के सार्वजनिक निमंत्रण को ठुकराते हुए कहा, बख्श दीजिए

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया के सार्वजनिक रूप से आमंत्रण को ठुकराते हुए उन्हें बख्शने के लिए कहा हैद्य नेहा धूपिया ने अपने पॉडकास्ट नो फिल्टर नेहा के सीजन 5 में शामिल होने के लिए अभिषेक को निमंत्रण दिया था। नेहा धूपिया की पॉडकास्ट नो फिल्टर नेहा पर बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकार अपने सबसे गहरे रहस्यों से पर्दा उठाते है, को वर्षों से बहुत प्यार मिला है। इस शो पर करण जौहर से लेकर रणवीर सिंह, रैपर बादशाह, विक्की कौशल और कटरीना कैफ जैसे लोग आ चुके हैं।हाल ही में एक प्रशंसक ने ट्विटर पर नेहा धूपिया को लिखकर अपने शो में फीचर करने के लिए लोकप्रिय वेबसीरीज ब्रीथ- इन टू द शैडो के स्टार अभिषेक बच्चन को लाने का अनुरोध किया। नेहा धूपिया को मैसेज लिखते हुए प्रशंसक ने ट्वीट किया,वह सबसे मशहूर हस्तियों में से एक हैं और उन्हें सुनने में मजा आएगा।नेहा अभिषेक बच्चन को अपने शो पर आने के लिए मनाने की कोशिश कर रही हैं, स्वाभाविक रूप से प्रशंसक की भावना को देखकर वह भी बहुत खुश थी। नेहा ने तुरंत प्रशंसक के पोस्ट को रीट्वीट किया और जूनियर बी को लिखा मुझे यह पसंद आएगा .आपको व्यक्तिगत रूप से कई बार आमंत्रित किया हैद्य अब आपको लोकप्रिय मांग पर सार्वजनिक रूप से के लिए आमंत्रित कर रही हूं।खैर अभिषेक बच्चन ने नेहा धूपिया को जवाब देते हुए नो फिल्टर नेहा के सीजन 5 में मेहमान बनने की पेशकश को विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया था। उन्होंने लिखा, बुद्धि औरकोई फ़िल्टर नहीं दो अलग-अलग चीजें हैं। बख्श दीजिए। नेहा धूपिया ने सेलेब्स के साथ कुछ काले और गंदे राज़ उगलवाए हैं और उनके बहुचर्चित पॉडकास्ट पर उनसे बातचीत

अमिताभ बच्चन ने लॉन्च किया वूट सेलेक्ट की नई वेब सीरीज़ का टीज़र

नई दिल्ली।इस वक्त के एक बाद एक कई नई वेब सीरीज़ और फ़िल्में ओटीटी की दुनिया में दस्तक दे रही हैं। इस बीच वूट सेलेक्ट भी नई वेब सीरीज़ क्रैकडाउन लेकर आया है। 12 सितंबर को वेब सीरीज़ का टीज़र जारी किया गया। इस टीज़र को कोई और नहीं, बल्कि बॉलीवुड के शंहशाह कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने लॉन्च किया। अब आप सोच रहे होगें कि इससे उनका क्या कनेक्शन हैं? आइए जानते हैं...अमिताभ बच्चन ने वेब सीरीज़ का टीज़र अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लॉन्च किया। उन्होंने लिखा- मुझे खुशी है कि मैं अपने दोस्त अपूर्व लाखिया के नए शो क्रैक डाउन को रिवील कर रहा हूं। ऑल दी बेस्ट अप्पू।% इस ट्वीट में अमिताभ ने बताया कि वह अपूर्व उनके दोस्त हैं, इसलिए उन्होंने इसे शेयर किया है। अपूर्व इससे पहले अमिताभ की फ़िल्म की जंजीर का रीमेक बना चुके हैं। इसमें उन्होंने राम चरण तेजा और प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया था।वहीं, अगर टीज़र की बात करें, तो क्रैक डाउन एक एक्शन पैक्ड वेब सीरीज़ नज़र आ रही है। शाकिब सलीम स्टारर इस सीरीज़ में एजेंट और सीक्रेट सर्विस और आंतकी हमले की कहानी दिखाई गई है।

शाकिब किसी एजेंट की भूमिका में नज़र आए हैं। शाकिब इससे पहले ज़ी-5 की फेमस क्राइम सीरीज़ रंगबाज में शिव प्रकाश शुक्ला का किरदार निभा चुके हैं। वह, रणवीर सिंह स्टारर फ़िल्म 83 का भी हिस्सा हैं।वेब सीरीज़ में शाकिब सलीम के अलावा श्रिया पिलगांवकर और राजेश तैलंग भी अहम भूमिका में नज़र आ रहे हैं।

शाकिब किसी एजेंट की भूमिका में नज़र आए हैं। शाकिब इससे पहले ज़ी-5 की फेमस क्राइम सीरीज़ रंगबाज में शिव प्रकाश शुक्ला का किरदार निभा चुके हैं। वह, रणवीर सिंह स्टारर फ़िल्म 83 का भी हिस्सा हैं।वेब सीरीज़ में शाकिब सलीम के अलावा श्रिया पिलगांवकर और राजेश तैलंग भी अहम भूमिका में नज़र आ रहे हैं। श्रिया इससे पहले मिर्ज़ापुर के पहले सीज़न में सुर्खियां बटोर चुकी हैं। वहीं, अगर राजेश तैलंग की बात करें, तो वह हाल ही में रिलीज़ हुई वेब

सुशांत सिंह राजपूत ने मौत से एक महीने पहले बहन प्रियंका को बनाया था नॉमिनी

सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआई के साथ ही ईडी और एनसीबी भी कर रहे हैं। इस केस में रोजाना नए दावे और खुलासे सामने आ रहे हैं। अभी तक की जांच में सीबीआई को सुशांत की हत्या से संबंधित को ई सबूत नहीं मिला है और अब एजेंसी इस केस में आत्महत्या के लिए उकसाने वाले ऐंगल से आगे बढ़ने के बारे में सोच रही है। सुशांत की फैमिली ने भी रिया और उनके परिवार पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। अब मामले में एक और बात सामने आ रही है जो सुशांत की बैंक अकाउंट से संबंधित है। इंडिया टुडे की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत ने अपनी प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट का नॉमिनी अपनी बहन प्रियंका सिंह को बनाया था। रिपोर्ट में बताया गया है किस सुशांत ने यह काम लगभग 20 मई के आसपास किया था। यानी कि सुशांत ने अपनी मौत के लगभग एक महीने पहले ही अपनी बहन को अपने पैसे और संपत्ति का नॉमिनी बनाया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सुशांत और बैंक के एक अधिकारी के बीच इस मुद्दे पर वॉट्सऐप पर बात हुई थी जिसमें इन्वेस्टमेंट के बारे में बात की गई थी। पहले की कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सुशांत और रिया के प्रियंका सिंह के साथ संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। यह भी दावा किया जा रहा है कि सुशांत की अपनी बहन से लड़ाई भी हुई थी। हालांकि अगर इस हालिया रिपोर्ट को मानें तो यह बात गलत साबित होती है कि सुशांत और प्रियंका के संबंध अच्छे नहीं थे। इस रिपोर्ट से यह दावा भी खारिज होता है कि रिया चक्रवर्ती पूरी तरह से सुशांत के फाइनैंशल फैसले ले रही थीं। हालांकि अभी इस मामले में कुछ भी कहा जाना मुश्किल है।सुशांत के परिवार ने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार के साथ ही सुशांत के सहयोगियों पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। जांच में ड्रग चौट का ऐंगल सामने आने के बाद यह जांच पूरी तरह से नए रास्ते पर चली गई है और सुशांत के परिवार ने रिया पर सुशांत को ड्रग्स देने का आरोप लगाया है। अब इस मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कर रहा है और उसने मामले में कुछ कथित ड्रग्स सप्लायर्स को भी अपनी हिरासत में लिया है।

रिया की 12 जून वाली इन तस्वीरों ने खड़े किये ये गंभीर सवाल,इस दिन एक्ट्रेस थीं बॉयफ्रेंड सुशांत के घर

सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती सीबीआई के निशाने पर है। हाल ही में रिया ने मुंबई पुलिस,ईडी और सीबीआई को दिए हुए अपने बयान में बताया है कि वो 8 जून को सुशांत के घर से चली गई थीं। साथ ही एक्ट्रेस का कहना यह भी है इसके बाद उनकी सुशांत से कोई बात नहीं हुई साथ ही साथ उन्होंने गुस्से में आकार उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया था,मगर इस बीच सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आई है। जो रिया के द्वारा किए गए दावों पर से पर्दा उठाती हैं। सवाल ये है क्या रिया 12 जून को सुशांत के घर पर ही थीं अगर नहीं थीं तो फिर क्या यह कुछ पुरानी तस्वीरें हैं जिन्हें 12 जून को पोस्ट किया गया है? रिया चक्रवर्ती की कुछ फेटोज एक केक दुकान ने अपने इंस्टा पर साझा की हैं और ये सभी तस्वीरें 12 जून की हैं। वहीं बताया जाता है कि इन फेटोज को रिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने इस केक शॉप वाले को शुक्रिया भी कहा साथ ही सुशांत की एक्स मैनेजर श्रुति मोदी का नाम भी लिया। दरअसल केक शॉप के इंस्टाग्राम पर एक दो नहीं बल्कि कई सारी तस्वीरें हैं। अब रिया पर सवाल यह भी उठ रहे हैं कि उन्होंने 12 जून 2020 को ये केक आखिरकार किसके लिए मंगवाया था। वैसे रिया की इन फेटोज में उनके पीछे का जो सारा एरिया नजर आ रहा है वो सुशांत के लिविंग रूम का है। इसके अलावा एक्टर के घर एक एक एस्ट्रानॉट का प्रेम भी लगा हुआ है,जिसका किनारा हुबहू सुशांत के लिविंग रूम के जैसा है। वैसे यह तस्वीरें पुरानी भी हो सकती हैं। ओर क्या पता तस्वीरें केक शॉप के प्रमोशन के लिए भी हों,जो रिया ने पहले से ही क्लिक करवाई हों। क्योंकि स्टार्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स को उनके सोशल मीडिया मैनेजर ही हैंडल करते हैं। तो हो सकता है कि रिया की केक वाली ये फेटोज पुरानी हों और केक शॉप से प्रमोशनल डीलिंग के बाद ही इन तस्वीरों को साझा किया गया हो। इन सब बातों के अलावा 12 जून की तारीख को लेकर एक खुलासा रूमी जाफरी की ओर से भी किया गया है। जी हां जाफरी ने अपने बयान में कहा कि 12 जून को उन्होंने सुशांत के साथ एक फिल्म फाइनल की थी।

खेसारीलाल यादव की फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग शुरू

भोजपुरी अभिनेता-गायक खेसारीलाल यादव की आने वाली फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग सितंबर से शुरू होगी।वैश्विक महामारी कोरोना के बीच देश अब अनलॉक 4 की ओर बढ़ चला है और स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। निर्देशक पराग पाटिल और खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग का डेट अनाउंस कर दिया गया है। बाबा मोशन पिक्चर प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने सितंबर से शुरू हो जायेगी। इसकी जानकारी पराग पाटिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए दी है। फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के खूबसूरत लोकेशन पर होगी। इस फिल्म के निर्माता प्रदीप के शर्मा हैं और कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है।

पराग पाटिल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म के पोस्टर के साथ 'कभी ना दूंगा धोखा प्रिये, क्या ये संगम अनोखा हैतु हमार लिट्टी और हम तोहार चोखा प्रियेज' लिखा। पराग पाटिल ने कहा कि फिल्म 'लिट्टी चोखा' को हम बिहार और उत्तर भारत की संस्कृति से जोड़ कर बनाने वाले हैं। इस फिल्म के जरिये बिहार और उत्तर प्रदेश के दलित, उत्पीड़ित और पिछड़े जातियों के शोषण को उजागर किया जायेगा। यह फिल्म जाति, धर्म और वर्ग में भेदभाव को समाप्त करने की कोशिश होगी।'लिट्टी चोखा' शब्द उस माटी से जुड़ा है, जहां हर घर में लिट्टी चोखा है। फिल्म में मनोज सिंह टाइगर, पदम सिंह, प्रगति भट्ट, प्रीति सिंह, श्रुति राव, उत्कर्ष, देव सिंह, करण पांडे, प्रकाश जैश जैसे कई कलाकार शामिल है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।